श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com
श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति
www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 69 ग्वालियर, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

73वें जन्मदिवस पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ताहिर अली को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल जीएनएस
उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुरुवार को वल्लभ भवन में जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक एवं मीडिया सलाहकार ताहिर अली को उनके 73वें जन्मदिवस पर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ताहिर अली के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन और दीर्घायु होने की कामना की। उन्होंने कहा कि ईश्वर उन्हें सदैव स्वस्थ और प्रसन्न रखें। शुक्ल ने उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन के लिए मंगलकामनाएं भी प्रेषित कीं।

सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम में बच्चों ने रंगोली से किया राष्ट्र के प्रति अपने भावों का प्रकटीकरण

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत प्रवेश कर चुका है नए दौर में : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण भारत, नए दौर में प्रवेश कर चुका है। मध्यप्रदेश भी तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मोत्सव को पूरे एक माह तक सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम में विशाल और आकर्षक रंगोलियां तैयार की गई। रंगोली के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और राष्ट्र के प्रति अपने भावों का प्रकटीकरण किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %सेवा के रंग-राष्ट्र के संग% कार्यक्रम के अंतर्गत मानव रंगोली निर्माण कार्यक्रम को टीटी नगर स्टेडियम में संबोधित कर रहे थे।

भारत के नक्शे के रूप में बनाई मानव रंगोली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को टी.टी. नगर स्टेडिटम में अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर, प्रधानमंत्री श्री मोदी और विकसित भारत के संकल्प पर आधारित विशाल रंगोलियों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत के नक्शे के रूप में बनी मानव रंगोली में शामिल बच्चों के बीच जाकर बैठे और बच्चों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े। पूरा स्टेडियम भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान हो रहा था। स्टेडियम में उपस्थित युवाओं ने देश को ञ2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए ÷वी विल डू इट÷ और भारत माता की जय के नारों का उद्घोष किया। इस अवसर पर युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था, विद्यार्थी मुख्यमंत्री डॉ यादव से हाथ मिलाने,उनका अभिवादन करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आतुर थे।

एशियन गेम्स = 2026 में हमारे खिलाड़ियों ने उत्कृष्टता सिद्ध की : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने जापान में संपन्न हुए एशियन गेम्स-2026 की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की। मध्यप्रदेश को इस प्रतियोगिता में कुल 11 पदक मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रंगोली के माध्यम से दिया विकसित भारत-सशक्त भारत का संदेश : प्रदेशाध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित %सेवा के रंग-राष्ट्र के संग% विशाल रंगोली कार्यक्रम में बच्चों ने सुंदर रंगोली बनाई हैं।

परिजनों की आर्थिक असमर्थता सामने आने पर शासन की योजना से कराई नि:शुल्क एयरलिफ्टिंग

गंभीर मरीज को एयर एंबुलेंस से एम्स भोपाल पहुंचाया, विधायक घनश्याम सिंह ने आईसीयू में जाकर जाना हाल

दतिया जीएनएस
सेंवढ़ा विधानसभा क्षेत्र के इंदरगढ़ निवासी गंभीर रूप से बीमार बालकृष्ण कुशवाहा को विधायक घनश्याम सिंह की पहल पर दतिया से एयर एंबुलेंस के जरिए एम्स भोपाल पहुंचाकर उपचार के लिए भर्ती कराया गया। विधायक ने स्वयं एम्स पहुंचकर आईसीयू में भर्ती मरीज का हाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं।

जानकारी के अनुसार, इंदरगढ़ के वार्ड क्रमांक 9 निवासी

बालकृष्ण कुशवाहा फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। वह कई दिनों से दतिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती होकर उपचार करा रहे थे। उपचार के दौरान उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें भोपाल या दिल्ली ले जाने की सलाह दी। आर्थिक असमर्थता के कारण परिजन उन्हें बाहर ले जाने में असमर्थ थे। मामले की जानकारी मिलने पर विधायक घनश्याम सिंह ने दतिया जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. केसी राठौर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीके वर्मा से संपर्क कर मरीज की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने शासन की योजना के तहत नि:शुल्क एयर एंबुलेंस की व्यवस्था कराने के लिए पहल की। विधायक की पहल पर गुरुवार सुबह दतिया हवाई अड्डे से एयर एंबुलेंस के माध्यम से बालकृष्ण कुशवाहा को भोपाल ले जाया गया।

पटवारियों से काम कराएं कलेक्टर, जरूरत पड़े तो कार्रवाई करें : मुख्य सचिव

ग्वालियर जीएनएस
मध्यप्रदेश में पटवारियों के प्रदर्शन के बीच मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कलेक्टरों को स्वामित्व योजना का काम समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सात दिन में पटवारियों से योजना का काम नहीं करा पाए तो संबंधित कलेक्टरों को भोपाल बुलाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पटवारी और तहसीलदारों से काम कराना कलेक्टरों की जिम्मेदारी है।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वामित्व योजना का काम तीन सप्ताह से प्रभावित है, जो उचित नहीं है। कलेक्टर पहले पटवारियों को समझाकर काम शुरू कराएं। इसके बाद भी वे काम नहीं करते हैं तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं, लेकिन काम रुकना नहीं चाहिए।

बर्णवाल ने तहसीलदारों की जिम्मेदारी भी तय करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि तहसीलदार पटवारियों से काम नहीं करा पा रहे हैं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। भूमि और राजस्व से जुड़े कार्य संबंधित कर्मचारियों से ही कराए जाने चाहिए। दूसरे कर्मचारियों के भरोसे ऐसे काम नहीं छोड़े जा सकते। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को साफ संदेश दिया कि प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाते हुए स्वामित्व योजना की प्रगति सुनिश्चित करें।

दाता बंदी छोड़ द्वार पर सात दिवसीय सेवा जारी, 1000 श्रद्धालुओं के नगर कीर्तन का पुष्पवर्षा कर स्वागत

दाता बंदी छोड़ दिवस पर 4000 श्रद्धालुओं ने छका लंगर

ग्वालियर जीएनएस
दाता बंदी छोड़ दिवस के पावन अवसर पर पुरानी छावनी स्थित दाता बंदी छोड़ द्वार पर आयोजित सात दिवसीय विशाल लंगर सेवा के तहत गुरुवार को श्रद्धा और सेवा भाव के साथ लंगर वितरित किया गया। इस दौरान करीब 4000 श्रद्धालुओं ने प्रसादा छका। सिख फोरम ग्वालियर-चंबल संभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में आयोजित इस सेवा में शहरभर की संगत ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और निष्काम सेवा के माध्यम से अपना योगदान दिया।

इसी क्रम में पुरानी छावनी से रायरू मार्ग होते हुए दाता बंदी छोड़ द्वार तक पहुंचे विशाल नगर कीर्तन का श्रद्धालुओं ने भव्य और भावुक स्वागत किया। नगर कीर्तन में करीब 1000 श्रद्धालुओं का जत्था शामिल था। पालकी साहिब की अगुवाई में संगत गुरुबाणी और भक्ति संगीत का गायन करते हुए आगे बढ़ी। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।

दाता बंदी छोड़ द्वार पर नगर कीर्तन के पहुंचने पर संगत ने पंच प्यारों को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही जुलूस पर फूलों की वर्षा कर श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक अगवानी की। इस दौरान सेवा और समर्पण का भाव देखने को मिला।

आयोजकों ने बताया कि दाता बंदी छोड़ दिवस के उपलक्ष्य में सात दिवसीय लंगर सेवा लगातार जारी है। इसमें संगत अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग कर रही है। आयोजन के माध्यम से सेवा, समर्पण, आपसी भाईचारे और सामूहिक सहयोग की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नहीं रहे बेहद संवेदनशील नाना पाटेकर

महेंद्र कुमार कुशवाह

परदे पर संवाद बोलते समय उनकी आवाज़ में जो तल्खी, कड़कपन और बेबाकी दिखती थी, उसके पीछे एक बेहद कोमल और संवेदनशील हृदय छिपा था। आज जब नाना पाटेकर के जाने की खबर आई, तो भारतीय सिनेमा ने न केवल एक बेहतरीन अभिनेता खोया है, बल्कि समाज ने एक ऐसा इंसान भी खो दिया जो ज़मीन से जुड़ा रहा और आखिरी सांस तक अपनी जड़ों को सींचता रहा।

नाना कभी सिर्फ एक कलाकार नहीं रहे। वे एक विद्रोही स्वभाव के इंसान थे—एक ऐसा विद्रोही जो व्यवस्था की कमियों पर चिल्लाकर सवाल उठाने से कभी नहीं झिझका। चकाचौंध से भरी बॉलीवुड की दुनिया उन्हें कभी बाँधकर नहीं रख सकी। शूटिंग खत्म होती और वे मुंबई के कृत्रिम माहौल से निकलकर सीधे महाराष्ट्र के अपने गाँव की मिट्टी में लौट आते। उनके लिए गाँव कोई विश्रामगाह नहीं, बल्कि उनका असली घर था। पुणे के पास खड़कवासला में उनका लगभग 27 एकड़ में फैला एक विशाल फार्महाउस है। शूटिंग के बाद वे अक्सर यहीं आकर रहते थे। यहाँ वे खुद खेती करते थे, उन्होंने गाय-भैंसें पाल रखी थीं और एक पारंपरिक मराठमोड़ा वाड़ा (ग्राम्य शैली का घर) बना रखा था।

गाँव के प्रति इसी आत्मीयता ने उन्हें किसानों के दर्द के सबसे करीब खड़ा कर दिया। सूखा, कर्ज़ और मजबूरी में दम तोड़ते किसानों की दयनीय हालत उनसे देखी नहीं जाती थी। वे सिर्फ संवेदना व्यक्त करने वाले इंसान नहीं थे; वे तो कार्रवाई करने वाले जुझारू व्यक्तित्व थे। अपनी फिल्मों और अभिनय से वे जो भी कमाते, उसका बड़ा हिस्सा चुपचाप किसानों की मदद और पुनर्वास में लुटा देते थे। %नाम फाउंडेशन% के ज़रिए उन्होंने अनगिनत किसान परिवारों को न केवल आर्थिक सहारा दिया, बल्कि उन्हें जीवन जीने की नई उम्मीद भी दी।

उनका अभिनय उनकी शख्सियत का ही विस्तार था। चाहे %परिंदा% का खौफनाक किरदार हो, %क्रांतिवीर% का विद्रोही संवाद हो, या %नटसम्राट% की भावुक वेदना—नाना ने जो भी किरदार निभाया, उसमें अपनी आत्मा उड़ेल दी। लेकिन कैमरे के पीछे वे बेहद सरल, फक्कड़ और फकीराना अंदाज़ वाले इंसान थे, जिन्हें लग्जरी गाड़ियों और महलों से ज्यादा सुकून खेत की पगडंडियों और मिट्टी की सोंधी महक में मिलता था। नाना का जाना एक ऐसे युग का अंत है, जहाँ कला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों और इंसानियत को ज़मीन पर उतारने का जरिया थी। वे एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने अपनी कमाई और अपनी ताकत दोनों ही उन लोगों के नाम कर दीं, जिन्हें समाज अक्सर भूल जाता है। नाना चले गए हैं, लेकिन अपनी बेबाक छाप, विद्रोही सोच और किसानों के प्रति अपनी असीम करुणा के रूप में वे हमेशा हमारे बीच ज़िंदा रहेंगे। अलविदा नाना, आपकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी!

किराना दुकान संचालित कर बनीं लखपति

सफलता की कहानी : ग्रामीण आजीविका मिशन ने छींमका निवासी रेखा को बनाया आत्मनिर्भर

भिण्ड, जीएनएस।

भिण्ड जिले के विकासखंड गोहद की छींमका निवासी श्रीमती रेखा चौहान के जीवन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन आया है। आसान शर्तों पर बैंक से मिले ऋण की बदौलत वे बरी और किराना व्यवसाय शुरू कर लखपति दीदी बन चुकी हैं।

संतोषी माता स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती रेखा चौहान बताती हैं कि आजीविका मिशन से जुड़कर उन्हें परिक्रामी निधि (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के रूप में रियायती ब्याज दरों पर ऋण मिला। उन्होंने पूर्व में डेढ़ लाख रुपए और

तीन लाख रुपए का बैंक से ऋण लिया, जिसे चुकाने पर अब वर्तमान में छह लाख रुपए का ऋण चल रहा है। इसी राशि से उन्होंने वर्ष 2019 में बरी बनाने का व्यवसाय शुरू किया था, जिससे छोटी-छोटी बचत कर अपने घर पर ही खुद की किराने की दुकान भी खोल ली है। उन्होंने बताया कि किराना दुकान से प्रतिमाह 10 से 12 हजार रुपए की आमदनी हो जाती है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के कारण वे पति के निधन के बाद भी अपनी संतान और बुजुर्ग ससुर की सभी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभा पा रही हैं। श्रीमती रेखा चौहान बताती हैं कि संतोषी माता स्वसहायता समूह से जुड़ी अन्य महिलाएं सिलाई, पशुपालन, किराना दुकान जैसी आजीविका चलाती हैं, और सभी लखपति दीदी बन गई हैं। उनका मानना है कि ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर गांव में महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। वे इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देती हैं।

शनिश्चरी अमावस्या मेला 09 एवं 10 अक्टूबर को

मुरैना, जीएनएस।

शनिश्चरी अमावस्या के अवसर पर 09 एवं 10 अक्टूबर को आयोजित होने वाले धार्मिक मेले में लगभग 4 से 5 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षित यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे द्वारा मेला अवधि के दौरान विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मेले में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए दो विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जाएगा। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार ट्रेनों के फेरे बढ़ाने तथा डिब्बों की संख्या में वृद्धि करने की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि यात्रियों को आवागमन में सुविधा हो।

शनिचरा, ग्वालियर एवं बिरलानगर रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर की व्यवस्था के साथ यात्रियों के लिए छाया, पेयजल, शौचालय एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों के आवागमन संबंधी जानकारी हिंदी भाषा में सूचना बोर्ड एवं उद्घोषणा के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

मेला अवधि के दौरान रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में भीड़ प्रबंधन, यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। साथ ही, आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना के अनुरूप भी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बना रहे।

पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया ने छात्रावासों का किया निरीक्षण

मुरैना, जीएनएस।

मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने गुरुवार को मुरैना जिले के दो पिछड़ा वर्ग छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रावासों में आवश्यकतानुसार समय-समय पर मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य कराए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं एवं अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो सके।

डॉ. कुसमरिया ने एबी रोड स्थित शासकीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास के विभिन्न कक्षों एवं उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान छत के प्लास्टर की स्थिति को देखते हुए उन्होंने आवश्यक मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य शीघ्र कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रहन-सहन तथा छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। साथ

ही, छात्रावास की रिक्त सीटों पर पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से मीनू के अनुसार भोजन, पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि छात्रावासों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही अध्ययन के लिए सकारात्मक एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और सुविधाओं का नियमित रूप से ध्यान रखा जाए। इसके बाद डॉ. कुसमरिया ने शासकीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, बड़ोखर का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए छात्राओं से संवाद किया और उनके रहन-सहन, भोजन तथा अध्ययन व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

छात्रावास में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन भी किया और उनसे आत्मीय संवाद किया। निरीक्षण के अंत में डॉ. कुसमरिया ने छात्राओं के साथ छात्रावास परिसर में पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विभागीय कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं - पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया

पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ की योजनाओं की समीक्षा

मुरैना, जीएनएस।

मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और पात्र हितग्राही समय पर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने विभागीय योजनाओं की जानकारी वाले फ्लैक्स एवं बैनर तैयार कर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए विभाग कार्ययोजना तैयार करे। साथ ही, जनप्रतिनिधियों को भी छात्रावासों का निरीक्षण कराया जाए, ताकि व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सुधार समय-समय पर किए जा सकें। डॉ. कुसमरिया ने यह निर्देश गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में सबलगढ़ विधायक श्रीमती सरला रावत, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव, वनमंडलाधिकारी श्री हरीशचन्द्र बघेल, जिला अध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाह, समाजसेवी श्री रिषी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्री भरत कुमार, पिछड़ा वर्ग की प्रभारी अधिकारी श्रीमती दीक्षा जादौन सहित उद्योग, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, आबकारी, लोक निर्माण, खाद्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, पिछड़ा वर्ग प्राविण्य छात्रवृत्ति, मेधावी पुरस्कार योजना, संघ लोक सेवा आयोग एवं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रोत्साहन योजना, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम एवं स्वरोजगार योजना सहित विभागीय छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रवेश की जानकारी व्यापक रूप से आमजन तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि विभाग इन योजनाओं की जानकारी वाले फ्लैक्स एवं बैनर प्रमुख स्थानों तथा विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में प्रदर्शित कराए, जिससे पात्र विद्यार्थियों एवं हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी आसानी से मिल सके।

बैठक में बताया गया कि जिले में वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति के लिए 10 हजार 792 आवेदन प्राप्त हुए थे। परीक्षण के उपरांत 10 हजार 127 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें 7 करोड़ 84 लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग प्राविण्य छात्रवृत्ति योजना के तहत 4 छात्राओं को 30 हजार रुपये, सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले एक विद्यार्थी को 75 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा उद्यम एवं स्वरोजगार योजना के तहत 14 हितग्राहियों को 37 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया ने विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के संबंध में भी विस्तार से जानकारी ली तथा पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सफलता की कहानीः खेत तालाब योजना ने बदली रौरा के किसान भोलाराम की तकदीर, एक फसल से अब ले रहे हैं डबल पैदावार

ग्वालियर, जीएनएस।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही कल्याणकारी योजनाएं किस प्रकार देश के आम किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं, इसकी एक बेहतरीन मिसाल ग्वालियर जिले की ग्राम पंचायत रौरा के किसान भोलाराम कुशवाह (भोगीराम कुशवाह) की कहानी है। %खेत तालाब योजना% ने उनकी बंजर या कम सिंचित होती भूमि को लहलहाते खेतों में बदल दिया है, जिससे उनकी आमदनी और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। किसान भोलाराम बताते हैं कि उनके पास खेती की जमीन तो थी, लेकिन सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी न होने के कारण वे साल भर में केवल एक ही फसल (सिंगल खेती) ले पाते थे। पानी के अभाव में उन्हें हर साल फसल की पैदावार को लेकर भारी अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था, जिससे उनकी आर्थिक उन्नति रुक गई थी।

सरकार की महत्वाकांक्षी %खेत तालाब योजना% के तहत भोलाराम के खेत में तालाब का निर्माण कराया गया। इस तालाब के खुदने से उनके खेत में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई। भू-जल स्तर सुधरने और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने से उनकी खेती की तस्वीर ही बदल गई। आज भोलाराम अपने खेत में पहले की तुलना में दोगुना लाभ कमा रहे हैं।

जहां पहले वे साल में सिर्फ एक फसल उगा पाते थे, वहीं अब वे आसानी से दो फसलें (डबल खेती) ले रहे हैं। उनकी फसलें अब बेहतर तरीके से पक रही हैं और पैदावार में भी काफी सुधार हुआ है। अपनी इस सफलता से गदगद किसान भोलाराम कुशवाह ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से धन्यवाद किया है। उनका मानना है कि खेत तालाब योजना ने उनके जैसे छोटे किसानों की तकदीर बदल दी है और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। रोरा पंचायत के अन्य किसानों के लिए भी भोलाराम की यह सफलता एक प्रेरणा बन गई है।

18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु विशेष शिविर प्रारंभ

ग्वालियर, जीएनएस।
निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार को समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर बीएलओ को निर्देशित किया है कि प्रारूप-6 एवं प्रारूप-8 के माध्यम से पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल बनवारिया ने बताया कि बिना घोषणा पत्र के आवेदन भरवाकर पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जायेंगे। जिले में आयोजित किए जा रहे विशेष शिविरों में सभी बीएलओ को अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहने तथा पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में आयोजित शिविरों के माध्यम से बीएलओ द्वारा बिना घोषणा पत्र के प्रारूप-6 भरवाकर नए मतदाताओं के नाम ऑनलाइन जोड़ना प्रारंभ कर दिया है। इसके साथ ही छूटे हुए पात्र मतदाताओं को भी सूची में शामिल करने की कार्रवाई प्रारंभ की गई है। शिविर में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के नए एवं पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी युवाओं को जिनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, उनसे अपना नाम जुड़वाने की अपील की गई है।

उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सरल सुगम विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराएं

ग्वालियर, जीएनएस।
विद्युत वितरण प्रणाली को निर्बाध बनाने तथा विद्युत समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अध्यक्षता में बुधवार को रोशनी घर स्थित विधुत विभाग के कार्यालय में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता श्री विनोद कटारे, अधीक्षण अभियंता शहरी श्री संदीप कालरा, अधीक्षण अभियंता ग्रामीण श्री पाराशर के अलावा समस्त जोन के कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के

त्वरित समाधान हेतु तत्परता के साथ पहल करने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रत्येक उपभोक्ता को सरल, सुगम एवं बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि नवरात्रि तथा दीपावली पर्व पर उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराना हमारा दायित्व है।

इसके लिए जरुरी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि ट्रिपिंग की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए मुख्य रूप से ओवरलोडिंग, शॉर्ट सर्किट और अर्थ लीकेज जैसी समस्याओं को रोकना जरूरी है।

अग्रवाल समाज लहार की नवीन कार्यकारिणी गठित, अमित कुमार बने अध्यक्ष

लहार, जीएनएस।
कुलदेवी माता महालक्ष्मी और महाराजा अग्रसेन जी के जयघोष के साथ अग्रवाल समाज, लहार की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कार्यकारिणी समिति को भंग करते हुए आगामी कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी और संरक्षक मंडल की घोषणा की गई,?सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार, अमित कुमार अग्रवाल को समाज का नया अध्यक्ष चुना गया। अन्य प्रमुख पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई जिसमें ?उपाध्यक्ष- संजीव मित्तल, महामंत्री- महेश अग्रवाल (सेवढ़ा वाले),?सचिव कृष्णकुमार अग्रवाल ÷शीशु÷,?सह सचिव जितेन्द्र अग्रवाल ÷जीतू÷, ?कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल (बौहरा वाले), ?मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल ÷सच्चे भैया÷ को नियुक्त किया गया वहीं ?संरक्षक मंडल की भी घोषणा की गई जिसमें समाज के वरिष्ठजनों को मार्गदर्शन हेतु संरक्षक मंडल में शामिल किया गया, जिनमें शिवनारायण अग्रवाल (चच्चू), लालता प्रसाद जी बंसल, सियाशरण अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल (हलवाई) एवं अनिल अग्रवाल (कुक्कू) के नाम शामिल हैं।?नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती और सामाजिक कार्यों को नई गति देने का संकल्प लिया। समाज के सभी वर्गों ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

लहार विधायक अम्बरीष शर्मा 'गुड्डू भैया' के नेतृत्व में 'सेवा ज्योति यात्रा' का लहार में भव्य समापन हुआ

लहार। भिंड से प्रारंभ होकर लहार विधानसभा पहुंची इस यात्रा के समापन अवसर पर क्षेत्रवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसका जोरदार स्वागत किया,भिंड से चलकर लहार पहुंची %सेवा ज्योति यात्रा% का क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया, जहां जनसेवा के संकल्प को दोहराया गया,विधायक अम्बरीष शर्मा (गुड्डू भैया) की अगुवाई में निकली इस यात्रा में आम नागरिकों के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं का भारी उत्साह देखने को मिला,समापन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मंडलों के मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में निष्ठावान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनुसूचित जनजाति के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने का सुनहरा अवसर

ग्वालियर, जीएनएस।
अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। सरकार द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इन योजनाओं के तहत ग्वालियर जिले के अनुसूचित जाति के युवाओं से इन योजनाओं के तहत 31 अक्टूबर तक आवेदन माँगे गए हैं।

राज्य आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र ऑनलाइन पोर्टलsamast.mponline.gov.in पर भरे जा सकते हैं। साथ ही इसकी हार्डकॉपी शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में जमा करनी होगी। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत एक से 50 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक जो भी कम हो, की दर से 7 वर्षों तक ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही गारंटी फीस भी सरकार देती है। योजना के तहत जिले को 5 इकाईयाँ स्थापित करने का लक्ष्य मिला है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो और परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपए से अधिक न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 10 हजार रूपए से एक लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। जिसके लिये सरकार द्वारा पाँच वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस दी जाती है। इस योजना के तहत जिले में 24 युवाओं को लाभान्वित कराने का लक्ष्य है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य हो और परिवार आयकरदाता न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 24 इकाईयों का लक्ष्य मिला है।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

कागज पर मजबूत 'मुस्लिम-नाटो', हकीकत में भी कारगर साबित होगा?

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये ने 5 अक्टूबर को अपने 'मक्का गठजोड़' या कथित 'मुस्लिम-नाटो' को सक्रिय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि कागज पर मजबूत दिखाई देने वाला यह गठजोड़ वास्तविक संकट की स्थिति में कितना प्रभावी साबित होगा?

जब हूती मिसाइलें पहली बार सऊदी अरब पर गिरी थीं, तब सवाल उठा था कि क्या पाकिस्तान उसकी रक्षा के लिए आगे आएगा। हालांकि करीब एक महीने तक पाकिस्तान ने कोई सैन्य कार्रवाई नहीं की। इसकी वजह उसकी सैन्य क्षमता की कमी नहीं, बल्कि रणनीतिक परिस्थितियां थीं।

पाकिस्तान ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स में 14वें स्थान पर है। उसके पास करीब 6.60 लाख सक्रिय और 5.50 लाख रिजर्व सैनिक हैं। वायुसेना में करीब 1400 विमान हैं, जिनमें 300 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल हैं। इसके अलावा उसके पास परमाणु हथियार भी हैं। फिर भी किसी दूसरे देश के युद्ध में सीधे उतरने की उसकी रणनीतिक गुंजाइश सीमित है।

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण ईरान है। पाकिस्तान ईरान युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश करता रहा है। दोनों देशों के बीच करीब 900 किलोमीटर लंबी सीमा है और अतीत में सैन्य टकराव भी हो चुके हैं। ऐसे में पाकिस्तान ईरान के साथ तनाव बढ़ाने से बचना चाहेगा।

दूसरी चुनौती उसकी अपनी सुरक्षा है। अफगानिस्तान के साथ तालिबान और टीटीपी को लेकर उसके संबंध तनावपूर्ण हैं। पूर्वी सीमा पर भी पाकिस्तान को सैन्य दबाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बलूचिस्तान में उग्रवाद और देश के भीतर आतंकवाद की समस्या भी उसके लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी लंबे सैन्य संघर्ष में उतरना उसके लिए जोखिम भरा हो सकता है।

तीसरा और महत्वपूर्ण कारण आर्थिक स्थिति है। पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर करीब 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि महंगाई 10 प्रतिशत से अधिक है। विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव है और उसकी अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, चीन, सऊदी अरब तथा विदेशी कर्ज पर काफी निर्भर है। ऐसे में किसी दूसरे देश के लिए लंबा युद्ध लड़ना उसके लिए महंगा साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के करीब 8 हजार सैनिक पहले से सऊदी अरब में तैनात हैं। वहां 16 जेएफ-17 लड़ाकू विमान और चीन निर्मित एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणाली भी मौजूद है। इनकी तैनाती में सऊदी अरब की आर्थिक भूमिका है, जबकि संचालन पाकिस्तान करता है।

इसके बावजूद पाकिस्तान हूतियों के साथ सैन्य टकराव की बजाय राजनीतिक बातचीत का पक्षधर दिखाई देता है। यही कारण है कि सऊदी अरब को इस गठजोड़ की सैन्य क्षमता के साथ-साथ उसकी वास्तविक राजनीतिक और रणनीतिक प्रतिबद्धता पर भी विचार करना होगा। किसी भी गठबंधन की असली ताकत केवल सैनिकों, विमानों और हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में सामूहिक निर्णय लेने और उसे लागू करने की क्षमता से तय होती है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

सवाल मतदाता का है, जवाबदेही सरकार और चुनाव आयोग की भी

सौरभ वार्ष्णेय

आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन-सा राजनीतिक दल किसके पक्ष में खड़ा है, बल्कि यह है कि मतदाता के मन में उठ रहे संदेहों का समाधान कौन करेगा? लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता के प्रचार में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में होती है। जब मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगें और उनके जवाब स्पष्ट व समय पर जनता के सामने न आएं तो भ्रम की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है।

यह स्थिति किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष के पास अपनी बात जनता तक पहुंचाने के तमाम साधन हैं। सरकार अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और नीतियों का प्रचार करती है। यह उसका अधिकार भी है। लेकिन लोकतंत्र में केवल सरकार की बात जनता तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाने वाले नागरिकों, राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को भी अपनी बात रखने का समान अवसर मिलना चाहिए। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है।

निर्वाचन आयोग मतदाता सेवाओं के लिए नाम खोजने, मतदाता सूची में संशोधन, शिकायत दर्ज करने और अपील जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। आयोग का घोषित उद्देश्य भी यही है कि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति उसमें शामिल न हो। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि व्यवस्था इतनी स्पष्ट है तो मतदाताओं के बीच भ्रम की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है?

यह ऐसा प्रश्न है जिसका जवाब केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं दिया जा सकता। चुनाव आयोग को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों और समूहों की ओर से अनेक दावे किए जा रहे हैं। इनमें से कौन-सा दावा तथ्यात्मक है और कौन-सा राजनीतिक आरोप, इसका फैसला जनता को प्रमाण और आधिकारिक जानकारी के आधार पर करना चाहिए। लेकिन यहां सरकार और निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।

यदि किसी चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में संदेह है तो इसका बेहतर उत्तर यह नहीं हो सकता कि सवाल उठाने वालों को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। बेहतर रास्ता है कि आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं, प्रक्रिया समझाई जाए, आपत्तियों का जवाब दिया जाए और जहां गलती हुई है, उसे स्वीकार कर सुधार किया जाए।

निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और चुनाव प्रक्रिया में उसकी विश्वसनीयता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोग मतदाता सूची, पंजीकरण, संशोधन और शिकायतों के लिए आधिकारिक माध्यम उपलब्ध कराता है। इसलिए जनता के सवालों का जवाब भी उतनी ही स्पष्टता और पारदर्शिता से सामने आना चाहिए।

आखिर आंदोलन से डर क्यों?

दूसरा बड़ा सवाल विरोध और आंदोलन को लेकर है। भारत का संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और बिना हथियार सभा करने का अधिकार देता है। साथ ही इन अधिकारों पर कानून के अनुसार उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। लेकिन कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक असहमति के बीच अंतर करना भी उतना ही जरूरी है।

यदि कोई राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहता है तो प्रशासन की भूमिका उसे पूरी तरह रोकने की बजाय ऐसी व्यवस्था बनाने की होनी चाहिए, जिससे प्रदर्शन भी हो सके और आम जनता को असुविधा भी न हो। स्थान और समय निर्धारित किए जा सकते हैं। यातायात की व्यवस्था की जा सकती है। पुलिस बल तैनात किया जा सकता है और सुरक्षा के लिए आवश्यक शर्तें लगाई जा सकती हैं।

लेकिन सवाल यह है कि क्या हर असहमति को कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है? यह प्रश्न आज केवल विपक्ष का नहीं है। कल यही परिस्थिति किसी दूसरे राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन या आम नागरिक के सामने भी आ सकती है।

सरकार आलोचना सुनने की क्षमता भी दिखाए

लोकतंत्र में सरकार केवल इसलिए सरकार नहीं होती कि उसके पास बहुमत है। उसकी वास्तविक लोकतांत्रिक शक्ति इस बात में भी दिखाई देती है कि वह आलोचना को किस प्रकार स्वीकार करती है।

यदि कोई नागरिक सरकार से सवाल पूछता है तो वह लोकतंत्र के खिलाफ नहीं होता। यदि कोई विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाता है तो उसके आरोपों की जांच होनी चाहिए। यदि आरोप गलत हैं तो तथ्य सामने रखकर उन्हें खारिज किया जाना चाहिए और यदि शिकायत सही है तो उसका समाधान होना चाहिए।

कई बार सवाल दबाने की कोशिश ही उस सवाल को और बड़ा बना देती है। आज सोशल मीडिया के दौर में आधी-अधूरी जानकारी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसे में आधिकारिक संस्थाओं की चुप्पी या अस्पष्टता अफवाहों के लिए जगह बना सकती है।

निर्वाचन आयोग के पास इसका सबसे प्रभावी हथियार है–तथ्य, दस्तावेज और पारदर्शी संवाद। मतदाता को राजनीति का नहीं, सत्य का भरोसा चाहिए।

भारत का मतदाता राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक है। वह सरकारें बनाता और बदलता है। वह नेताओं के भाषण सुनता है, लेकिन मतदान अपने विवेक से करता है। इसलिए मतदाता को किसी दल के पक्ष या विपक्ष में खड़ा करने की बजाय उसे पूरी और सही जानकारी देना जरूरी है।

मतदाता सूची में नाम है या नहीं? नाम हटाया गया तो क्यों? आपत्ति कैसे दर्ज होगी? सुधार कैसे होगा? एसआईआर की प्रक्रिया क्या है? किस दस्तावेज की आवश्यकता है? किस अधिकारी के सामने अपील होगी? समय सीमा क्या है? इन सभी सवालों के जवाब सरल भाषा में मतदाताओं तक पहुंचने चाहिए।

केवल ऑनलाइन सुविधा पर्याप्त नहीं है। देश के करोड़ों नागरिकों तक सूचना पहुंचाने के लिए राजनीतिक दलों, प्रशासन, मीडिया और निर्वाचन तंत्र को मिलकर काम करना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने से लोकतंत्र कमजोर होता है। सत्ता पक्ष को समझना होगा कि विपक्ष का काम सवाल पूछना है और विपक्ष को यह समझना होगा कि हर आरोप को तथ्य के आधार पर ही मजबूत बनाया जा सकता है।

सरकार को सवालों से घबराने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग को आलोचना से बचने की बजाय अपने काम की पारदर्शिता बढ़ाने की जरूरत है। विपक्ष को भी आरोपों के साथ प्रमाण रखने की जिम्मेदारी निभानी होगी। वहीं जनता को किसी वायरल संदेश को सच मानने से पहले आधिकारिक स्रोतों से उसका सत्यापन करना चाहिए।

लोकतंत्र में भरोसा आदेश से पैदा नहीं होता, भरोसा पारदर्शिता से पैदा होता है। आज जरूरत इस बात की है कि केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर देश को यह भरोसा दें कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में किसी भी पात्र नागरिक के अधिकार से समझौता नहीं होगा। साथ ही जो लोग सवाल उठा रहे हैं, उन्हें भी तथ्य सामने रखने और संवैधानिक रास्ते अपनाने का पूरा अवसर मिले।

जहां श्रद्धा बनती है शक्ति और सेवा बनती है साधना

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मध्यप्रदेश की पावन धरती कटनी 9 और 10 अक्टूबर 2026 को हरे माधव वर्सी पर्व के रूप में एक बड़े आध्यात्मिक समागम की साक्षी बनने जा रही है। यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धा, सेवा, करुणा, अनुशासन और मानवता के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का अवसर भी बनता दिखाई दे रहा है। हरे माधव सत्संग का यह वर्सी पर्व बाबा ईश्वर शाह की आध्यात्मिक प्रेरणा और दयालता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनने जा रहा है।

देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी संगत के पहुंचने की संभावना के बीच आयोजन स्थल पर तैयारियां व्यापक स्तर पर की गई हैं। यहां श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, पेयजल और आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से महोत्सव स्थल तक आने-जाने के लिए निःशुल्क परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रेन टिकट व्यवस्था और टिकट घर की सुविधा भी रखी गई है।

इन व्यवस्थाओं को देखकर यह स्पष्ट होता है कि इतने बड़े आध्यात्मिक आयोजन की सफलता केवल मंच और कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा की समुचित व्यवस्था से भी जुड़ी होती है। भारतीय परंपरा में अतिथि-सत्कार और सेवा को जिस महत्व के साथ देखा जाता है, उसकी झलक इस आयोजन की तैयारियों में दिखाई देती है।

स्वास्थ्य सेवा पर भी विशेष जोर

वर्सी पर्व में चिकित्सा सेवा को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से विशेषज्ञ चिकित्सकों के पहुंचने की व्यवस्था है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक दवाइयों के वितरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विशाल संख्या में श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्था को आयोजन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना इस बात को दर्शाता है कि बड़े धार्मिक समागम में स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देना भी आवश्यक है। सेवा का अर्थ केवल भोजन अथवा आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि आगंतुकों की समग्र सुविधा और सुरक्षा की चिंता करना भी है।

भक्ति के सुरों से गूंजेगा वातावरण

9 अक्टूबर को वर्सी पर्व का पहला दिन आध्यात्मिक वातावरण के साथ प्रारंभ होगा। मंगल वंदना और 'मेरे सतगुरां हम शरण तेरी आए' जैसे भक्ति स्वर श्रद्धालुओं के मन में आस्था का भाव गहरा करेंगे। भजनों के मधुर सुर, आरती की पवित्र लौ और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सामूहिक उपस्थिति आयोजन को विशिष्ट वातावरण प्रदान करेगी। आध्यात्मिक आयोजनों की शक्ति केवल धार्मिक अनुष्ठानों में नहीं होती। ऐसे अवसर व्यक्ति को कुछ समय के लिए बाहरी चिंताओं से दूर होकर अपने भीतर झांकने का अवसर भी देते हैं। भीड़ का हिस्सा होते हुए भी व्यक्ति अपने भीतर की शांति और आत्मिक संवाद का अनुभव कर सकता है। 10 अक्टूबर को वर्सी पर्व का अंतिम दिवस इस आध्यात्मिक यात्रा को और अधिक भावपूर्ण बनाएगा। दो दिनों तक चलने वाले सत्संग का संदेश आयोजन स्थल तक सीमित न रहकर श्रद्धालुओं के साथ उनके घर और जीवन-व्यवहार तक पहुंचे, यही ऐसे आयोजनों की सार्थकता मानी जा सकती है।

दयालता और मानवता का संदेश

जीवन मुक्त सतगुरु बाबा ईश्वर शाह की दयालता और मानवता-केंद्रित शिक्षाओं की प्रासंगिकता वर्तमान समय में विशेष रूप से महसूस की जा सकती है। तकनीक ने दुनिया के बीच भौतिक दूरी कम कर दी है, लेकिन मानसिक और भावनात्मक दूरी आज भी समाज के सामने चुनौती बनी हुई है। ऐसे समय में प्रेम, करुणा, सेवा और मानवीय संवेदना जैसे मूल्य किसी एक वर्ग या समुदाय तक सीमित नहीं रहते। ये पूरे समाज की आवश्यकता बन जाते हैं। हरे माधव सत्संग का संदेश इसी व्यापक मानवीय धरातल पर देखा जा सकता है। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा तभी सार्थक होती है, जब आध्यात्मिकता मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने का माध्यम बने।

सांसद भारत सिंह कुशवाह ने युवाओं से किया आह्वान –साइबर सुरक्षा महिला सम्मान और नशा मुक्ति से ही बनेगा विकसित भारत

ग्वालियर, जीएनएस।
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर द्वारा शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिरला नगर में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत थीम पर एक विशेष युवा जागरूकता कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट तथा एमएमए के वाईस प्रेसिडेंट श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर उपस्थित रहे।

युवा शक्ति ही देश का असली भविष्य सांसद भारत सिंह कुशवाह

मुख्य अतिथि सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को अत्यधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सतर्कता पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने महिला सुरक्षा एवं सम्मान को एक सशक्त समाज की अनिवार्य शर्त बताया।

सांसद जी ने नशा-मुक्त भारत का आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के गौरवशाली सेवा-काल के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने युवाओं में सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान सेवा मेरा योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जब हमारा युवा इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक होगा, तभी एक समर्थ भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने युवाओं में खेल भावना और अनुशासन के महत्व को बताते हुए उपस्थित सभी युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों को नशा मुक्त भारत की शपथ सामूहिक रूप से दिलाई।

व्यावसायिक शिक्षा उन्नयन के तहत छात्राओं ने किया फार्मेसी कॉलेज का शैक्षणिक भ्रमण

दबोह, जीएनएस।
पीएम श्री शासकीय कन्या हाई स्कूल दबोह की कक्षा 9वीं एवं 10वीं में अध्ययनरत छात्राओं ने व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत लहार स्थित साइपर फार्मेसी कॉलेज का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यालय के प्राचार्य रामबिहारी समाधिया के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा एवं फार्मेसी क्षेत्र की गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना रहा।

विद्यालय से छात्राएं बस द्वारा लहार पहुंचीं। महाविद्यालय परिसर

प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब की गतिविधियों से रूबरू हुई छात्राएं

में छात्राओं का अनुशासित एवं व्यवस्थित तरीके से स्वागत किया गया। छात्राएं पूर्ण गणवेश में कतारबद्ध होकर महाविद्यालय परिसर में पहुंचीं, जहां महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने उन्हें विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान की प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया तथा वहां होने वाली प्रायोगिक गतिविधियों को नजदीक से समझा। इसके साथ ही छात्राओं ने महाविद्यालय के विशाल पुस्तकालय एवं कंप्यूटर लैब का भ्रमण कर अध्ययन-अध्यापन की आधुनिक पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के अंत में छात्राओं के लिए सभागार में संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने फार्मेसी शिक्षा एवं महाविद्यालय से संबंधित विभिन्न जिज्ञासापूर्ण प्रश्न प्राध्यापकों से पूछे। प्राध्यापकों ने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें फार्मेसी क्षेत्र में शिक्षा एवं रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्राओं को स्वल्पाहार कराया गया। इसके बाद छात्राएं विद्यालय के लिए रवाना हुईं। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उनके चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

भ्रमण के दौरान विद्यालय की ओर से शिक्षक अरविंद सिंह कौरव एवं शिक्षिका पूजा रानी संरक्षक के रूप में छात्राओं के साथ मौजूद रहे।

भारतीय वायुसेना दिवस पर हम अपने बहादुर योद्धाओं को सलाम करते हैं

ग्वालियर में मौजूद महाराजपुरा एयर फोर्स स्टेशन, भारत के सबसे स्ट्रेटेजिक रूप से महत्वपूर्ण एरियल इंस्टॉलेशन में से एक है। एयरस्ट्रिप के रूप में यह फैसिलिटी महाराजा जीवाजीराव एम. सिंधिया ने 1937 में बनाई थी और बाद में लगभग 1940 में इसे कमीशन किया गया था।

महाराजपुरा एयर फोर्स स्टेशन मिराज 2000 फाइटर स्क्वाड्रन के लिए ऑपरेशनल बेस के रूप में काम करता है, जिन्हें नंबर 1 और 7 के रूप में डेजिग्नेटेड किया गया है, यह एक ऐसी भूमिका है जिसे इसने इंडियन एयर फोर्स इन्वेंटरी में इन एयरक्राफ्ट के आने के बाद से लगातार बनाए रखा है। दोनों स्क्वाड्रन 40 विंग के कमांड स्ट्रक्चर के तहत ऑपरेट करते हैं। इसके अलावा, ग्वालियर में टैक्टिकल एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (TACDE) है, जो एडवांस्ड कॉम्बैट टैक्टिक्स इंस्ट्रक्शन और प्रोफेशनल मिलिट्री एजुकेशन के लिए भारत के सबसे प्रमुख इंस्टीट्यूशन के रूप में काम करता है।

श्रीमती नैंसी गुप्ता ने आईआईटी जोधपुर से प्रबंधन में पीएच.डी. प्राप्त कर माहौर ग्वार्र वैश्य समाज का बढ़ाया गौरव

ग्वालियर, जीएनएस।
प्रतिभा, परिश्रम और दृढ़ संकल्प की मिसाल ग्वालियर की सुपुत्री एवं मुरैना की पुत्रवधू श्रीमती नैंसी गुप्ता ने देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर, राजस्थान से प्रबंधन विषय में डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि प्राप्त कर अपने परिवार, ग्वालियर, मुरैना एवं माहौर ग्वार्र वैश्य समाज का गौरव बढ़ाया है।

श्रीमती नैंसी गुप्ता ने प्रबंधन एवं उद्यमिता विद्यालय (एसएमई), आईआईटी जोधपुर से अपना शोध कार्य पूर्ण किया। उनके शोध का विषय ÷इम्प्लिसिट एसोसिएशन टेस्ट (आईएटी) के माध्यम से व्यावसायिक लैंगिक रूढ़ियों को मापने की कार्यप्रणाली÷ रहा। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन डॉ. वेंकट राम रेड्डी, आईआईटी मद्रास द्वारा किया गया।

श्रीमती नैंसी गुप्ता, श्री गोपाल गुप्ता जी (पुरवास वाले) एवं श्रीमती अनीता गुप्ता जी ग्वालियर की सुपुत्री तथा श्रीमती बीना गांगिल जी एवं स्व. श्री गिर्राज गांगिल जी (खेरा वाले) मुरैना की पुत्रवधू हैं। वे इंजी. जयंत गांगिल जी, प्रबंधक, इंडियन ऑयल रिफाइनरी की धर्मपत्नी हैं। उनके

परिवारजनों श्रीमती अनुषा गुप्ता जी (एम.ई., भारतीय डाक सेवा) एवं डॉ. जीतू गांगिल जी (अध्यक्ष, एम.पी. फार्मासिस्ट एसोसिएशन) ने उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। नैंसी गुप्ता की यह उपलब्धि केवल एक शैक्षणिक उपाधि नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, निरंतर अध्ययन, शोध के प्रति समर्पण एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। आईआईटी जोधपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से प्रबंधन में पीएच.डी. प्राप्त करना उनके परिवार के साथ-साथ ग्वालियर एवं मुरैना के लिए भी गौरव का विषय है।उनकी यह सफलता महिलाओं की उच्च शिक्षा, शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में बढ़ती भागीदारी का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनकी उपलब्धि से परिवारजनों, शुभचिंतकों एवं समाज के लोगों में हर्ष का वातावरण है। अखिल भारतीय माहौर ग्वार्र वैश्य समाज ने श्रीमती नैंसी गुप्ता को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति एवं नई ऊँचाइयों की कामना की है।

मांस-मछली विक्रेताओं पर नगर निगम की कार्रवाई, 9 हजार रुपए के चालान किए

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छता एवं निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 21 के अंतर्गत वार्ड 52 एवं 54 में मांस-मछली विक्रेताओं के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम द्वारा ईदगाह, कम्पू एवं गुड़ा-गुड़ी का नाका क्षेत्र में निरीक्षण कर मांस-मछली विक्रेताओं द्वारा नियमों का पालन नहीं किए जाने पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान वार्ड 54 में 5,500 रुपए तथा वार्ड 52 में 3,500 रुपए, इस प्रकार कुल 9,000 रुपए के चालान किए गए। नगर निगम अधिकारियों ने संबंधित विक्रेताओं को निर्देशित किया कि वे मांस-मछली विक्रय के दौरान निर्धारित स्वच्छता मानकों एवं नगर निगम के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

!!.नेतृत्व वही जो राह दिखाए: ग्राम पंचायत ईशानगर की सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा ने खुद रक्तदान कर पेश की मानवता की मिसाल जनसेवा की अनूठी पहल लोगों से की आगे आने की अपील.!!

रक्तदान-महादान= जनसेवा में समर्पित ग्राम पंचायत ईशानगर की सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा ने किया रक्तदान= बोली आपका एक यूनिट रक्त बचा सकता है किसी की जिंदगी

पंकज पाराशर छतरपुर

छतरपुर जिले में ग्राम पंचायत ईशानगर की सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा द्वारा संकल्प ही सेवा अभियान% के तहत एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में मानवता की मिसाल पेश करते हुए छतरपुर जिले में ग्राम पंचायत ईशानगर की सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा ने खुद आगे बढ़कर रक्तदान किया।

सरपंच श्रीमती निधि मिश्रा के लिए रक्तदान कोई नया कार्य नहीं है, बल्कि वह विगत 03 वर्षों से नियमित रूप से रक्तदान करती आ रही हैं। उन्होंने हर बार स्वास्थ्य शिविरों और आपातकालीन स्थितियों में बढ़ चढ़कर अपना योगदान दिया है।

शिविर का शुभारंभ करते हुए सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा ने कहा कि - ÷रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि हमारा थोड़ा सा रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है।÷ उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों से इस पुनीत कार्य में आगे आने की अपील की।

सरपंच की पहल से ग्रामीणों में उत्साह तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा पूरी सजगता और सेवा भाव के साथ मेडिकल बेड पर लेटकर रक्तदान कर रही हैं। क्षेत्र की प्रथम नागरिक होने के नाते उनके इस कदम ने वहां मौजूद सभी लोगों को गहराई से प्रेरित किया। सरपंच की इस पहल को देखकर शिविर में मौजूद कई अन्य ग्रामीणों और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान किया।

स्वास्थ्य के प्रति भी किया जागरूक

शिविर में उपस्थित डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और बताया कि नियमित रूप से रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और इससे कोई कमजोरी नहीं आती। सरपंच श्रीमती निधि जलज मिश्रा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पूरी मेडिकल टीम, अभियान के कार्यकर्ताओं और सभी रक्तदाताओं का आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया।

संयमित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति सम्मान ही भविष्य की खाद्य सुरक्षा का आधार

खाद्य पदार्थों के उपभोग में दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत

आज पूरी दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं। बढ़ती आबादी, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, बदलती जीवनशैली और खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत ने प्रकृति पर दबाव बढ़ाया है। ऐसे समय में भारत की पारंपरिक जीवनशैली और खाद्य पदार्थों के संयमित उपयोग से दुनिया को महत्वपूर्ण सीख मिल सकती है।

विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों की खपत के आधार पर यह आकलन किया गया है कि यदि पूरी दुनिया किसी देश की तरह भोजन का उपभोग करने लगे तो वर्ष 2050 तक कितनी पृथ्वियों के बराबर प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तरह खाद्य पदार्थों का उपभोग किया जाए तो 0.84 पृथ्वी ही पर्याप्त होगी। इंडोनेशिया की जीवनशैली के आधार पर यह आवश्यकता 0.90 पृथ्वी की है। इसके विपरीत चीन के लिए 1.77, जापान 1.86, सऊदी अरब 2.08, तुर्की 2.11, दक्षिण कोरिया 2.30, दक्षिण अफ्रीका 2.94 और मेक्सिको 3.03 पृथ्वी के बराबर संसाधनों की जरूरत होगी।

इसी तरह जर्मनी के लिए 3.36, रूस 3.42, यूरोपीय संघ 3.52, ब्रिटेन 3.98, कनाडा 4.50, इटली 4.64, फ्रांस 5.02, ब्राजील 5.21 और अमेरिका 5.55 पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह आंकड़ा 6.83 और अर्जेंटीना के लिए 7.42 पृथ्वियों तक पहुंच जाता है। ये आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि अत्यधिक उपभोग की वर्तमान जीवनशैली पृथ्वी के सीमित संसाधनों पर कितना दबाव डाल रही है।

भारतीय संस्कृति में संयम का संस्कार : भारत में खाद्य पदार्थों के संयमित उपयोग की परंपरा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का हिस्सा रही है। सनातन संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है। यही कारण है कि आवश्यकता के अनुसार ही वस्तुओं का उपयोग करने और उनकी बर्बादी से बचने की सीख बचपन से दी जाती रही है।

भारतीय परिवार व्यवस्था भी खाद्य पदार्थों के बेहतर उपयोग में सहायक रही है। संयुक्त परिवार की परंपरा में घर में उपलब्ध भोजन को परिवार के सदस्यों और अतिथियों के बीच सहजता से बांटने की व्यवस्था रही है। अतिथि के लिए भोजन की व्यवस्था करना भारतीय संस्कार का हिस्सा है, लेकिन भोजन को व्यर्थ फेंकने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन नहीं दिया जाता।

भारतीय जीवन पद्धति का मूल संदेश रहा है कि प्रकृति से उतना ही लिया जाए जितना आवश्यक हो। पृथ्वी का शोषण नहीं, बल्कि उसका संरक्षण किया जाए। यही विचार आज पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के वैश्विक विमर्श का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

भारत में शाकाहारी भोजन करने वालों की संख्या भी बड़ी है। भारतीय भोजन परंपरा में अनाज, दाल, फल, सब्जियां और अन्य वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर अपेक्षाकृत कम दबाव पड़ता है। दूसरी ओर दुनिया के कई हिस्सों में अत्यधिक मांसाहार के कारण पशुपालन, भूमि, पानी और खाद्य संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

स्वामी विवेकानंद से लेकर आज तक संदेश : भारत की जीवन पद्धति और सनातन संस्कृति के इन मूल्यों को दुनिया

तक पहुंचाने का कार्य समय-समय पर भारतीय मनीषियों ने किया है। स्वामी विवेकानंद वर्ष 1893 से 1897 के बीच पश्चिमी देशों में गए और वहां भारतीय संस्कृति के विचारों से लोगों को परिचित कराया। शिकागो की धर्म संसद में उनके संबोधन ने पश्चिमी जगत का ध्यान भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण की ओर आकर्षित किया।

आज भी भारतीय संस्कृति के मूल विचारों को वैश्विक स्तर पर रखने का प्रयास जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के प्रवास के दौरान प्रकृति के संरक्षण और उसके अनावश्यक दोहन से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका संदेश रहा है कि सनातन संस्कृति के मूल्यों में न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया की अनेक समस्याओं के समाधान की क्षमता है।

'मैं' से 'हम' की ओर

आधुनिक विकास मॉडल में उपभोग को आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार माना गया है। विशेषकर विकसित देशों में अधिक उत्पादन और अधिक उपभोग की प्रवृत्ति ने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को कई गुना बढ़ाया है। इसके विपरीत भारतीय जीवन-दर्शन में 'मैं' की तुलना में 'हम' की भावना को अधिक महत्व दिया गया है।

परिवार और समाज के साथ मिलकर जीवन जीने की परंपरा ने संसाधनों के साझा उपयोग की संस्कृति को मजबूत किया। भारतीय दर्शन में जीवन को केवल वर्तमान क्षण तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि कर्म और उसके परिणाम की व्यापक अवधारणा से जोड़ा गया है। इसलिए संयम, संतुलन और उत्तरदायित्व को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया।

वेदों और पुराणों सहित भारतीय ज्ञान परंपरा में भी मनुष्य को धर्म आधारित कर्म और संयमित जीवन का संदेश दिया गया है। भोग को जीवन का अंतिम लक्ष्य न मानकर आवश्यकता और मर्यादा के बीच संतुलन बनाने की सीख दी गई है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के संकट से जूझ रही है, तब यह दृष्टिकोण और भी प्रासंगिक हो गया है।

जैव विविधता की रक्षा भी जरूरी : खाद्य पदार्थों के संयमित उपभोग का संबंध केवल भोजन से नहीं, बल्कि जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण से भी है। विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना 29 अप्रैल 1961 को स्विट्जरलैंड के ग्लैंड में हुई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, लुप्तप्राय प्रजातियों तथा उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा, वनों, नदियों और महासागरों का संरक्षण रहा है। आज यह संगठन दुनिया के 100 से अधिक देशों में अनेक संरक्षण एवं पर्यावरण परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वन और वन्यजीव संरक्षण को प्रकृति के संतुलन तथा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए आवश्यक बताया है। उन्होंने वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा में नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया तथा सुरक्षित वन्यजीव आवाजाही और पारिस्थितिक संतुलन के लिए वन्यजीव गलियारों के संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया।

प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए पृथ्वी पर सभी जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का अस्तित्व आवश्यक है। किसी एक प्रजाति का अत्यधिक दोहन या विलुप्त होना पूरे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इसलिए भोजन की आदतों से लेकर दैनिक जीवनशैली तक, हर स्तर पर संयम जरूरी है।

जैव विविधता में भारत की समृद्ध विरासत : भारत जैव विविधता से समृद्ध देशों में शामिल है। देश में लगभग 45 हजार पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें करीब 15 हजार औषधीय पौधे बताए जाते हैं। इनमें से हजारों प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय तथा अरावली क्षेत्र के जंगल औषधीय और सुगंधित पौधों की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने भी बड़ी संख्या में पौधों की प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया है। यह विरासत केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी जुड़ी हुई है।

भारत इस विरासत को आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। पश्चिमी घाट के जंगलों से लेकर विदर्भ के खेतों तक और आयुर्वेदिक ज्ञान से लेकर ई-चरक जैसे डिजिटल मंचों तक संरक्षण, स्वास्थ्य और आजीविका को जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है।

दुनिया के लिए भारत का संदेश

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की दौड़ में प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों को पीछे न छोड़ दिया जाए। खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना, आवश्यकता के अनुसार उपभोग करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और जैव विविधता की रक्षा करना केवल भारत की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता का दायित्व है।

विश्व वन्यजीव कोष के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि यदि दुनिया भारत जैसी संयमित खाद्य संस्कृति और जीवनशैली को अपनाए तो पृथ्वी के सीमित संसाधनों पर दबाव कम किया जा सकता है। भारत की सनातन परंपरा का 'आवश्यकता के अनुसार उपभोग' का संदेश आज आधुनिक पर्यावरणीय संकट के बीच पहले से अधिक उपयोगी दिखाई देता है।

इसलिए भविष्य की दुनिया के सामने सवाल केवल यह नहीं है कि अधिक भोजन कैसे पैदा किया जाए, बल्कि यह भी है कि उपलब्ध भोजन और प्राकृतिक संसाधनों का कितना विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए। संयमित उपभोग, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व ही वह रास्ता है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और संतुलित पृथ्वी सुनिश्चित कर सकता है।

शारदेय नवरात्र : जन-मन में शक्ति की अलख

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

अश्विन मास के आगमन के साथ ही शारदेय नवरात्र का पावन पर्व पूरे देश में आत्मीयता, आस्था और सांस्कृतिक ऊर्जा का संचार करने लगता है। यह केवल नौ दिनों के धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों, नैतिक मूल्यों और नारी शक्ति के सम्मान की सामूहिक अभिव्यक्ति है। जन-मन में शक्ति की जीती-जागती अलख है।

स्तुत्य, सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय। पौराणिक कथाओं में माँ दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध वास्तव में हमारे भीतर छिपी नकारात्मकताओं। काम, क्रोध, लोभ और अहंकार को समाप्त करने का आह्वान है। इस पर्व की सबसे सुंदर विशेषता यह है कि यह ईश्वर को 'माता' के रूप में पूजने की परंपरा सिखाता है। जहाँ शक्ति का आधार करुणा और रक्षण है।

अतुल्य, नवरात्र का असली सौंदर्य भारत के गाँवों और जनजातीय अंचलों में झलकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्र नई फसल की आमद और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का समय है। घटस्थापना में बोए जाने वाले %जवारे% सीधे तौर पर कृषि और समृद्धि से जुड़े हैं। जनजातीय बहुल क्षेत्रों जैसे मध्य भारत के गोंड, बैगा, बस्तर या

बालाघाट का प्रसिद्ध दशहरा में माँ दुर्गा को बूढ़ी माई, खेरमाई या ग्राम देवी के रूप में पूजा जाता है। यहाँ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संकल्प के साथ पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोकनृत्यों के बीच माँ की आराधना होती है। जो हमारी सबसे प्राचीन और अखंड आध्यात्मिक परंपरा है।

यथेष्ठ, पंडालों में सजती माँ की प्रतिमाएँ, जश, भजन, रामलीला, ड्रामा, डंडियार, डांडिया-गरबा का उल्लास और जगराते केवल मनोरंजन नहीं हैं। ये समाज को ऊँच-नीच, भेद-भाव से ऊपर उठाकर एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं। यह जन-जन में जागृति लाने का अवसर है कि हम एकजुट होकर बुराइयों से लड़ें। व्रत और उपवास का वास्तविक अर्थ केवल खान-पान का संयम नहीं, बल्कि मन और आचरण की शुद्धता है। नवरात्र के दौरान किया जाने वाला कन्या पूजन समाज को सीधा संदेश देता है कि नारी का सम्मान ही माँ की सच्ची आराधना है। जिस घर या समाज में बेटी और स्त्री का सम्मान नहीं, वहाँ माँ दुर्गा की कृपा संभव नहीं।

अभिभूत, चाहे गुजरात का गरबा हो, बंगाल की दुर्गा पूजा, उत्तर भारत की रामलीला हो दक्षिण भारत का बोम्मु गोलू या ग्रामीण चौपालों के लोक-अनुष्ठान। यह शारदेय नवरात्र भारत की 'विविधता में एकता' को जीवंत करता है। नवरात्र पर्व हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करता है। जिससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है। आइए, इस शारदेय नवरात्र पर न केवल पूजा-पंडालों में माँ का स्वागत करें। अपने भीतर की बुराइयों का अंत करने और समाज में सौहार्द, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, बाल देखभाल, शिक्षा व नारी-सुरक्षा का वातावरण बनाने का संकल्प लें। जय माँ जगदम्बे!

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

त्योहारों के मद्देनजर देर रात तक चली पुलिस की कार्रवाई, होटल-लॉज और संदिग्ध वाहनों की भी जांच

कॉम्बिंग गश्त में 154 वारंटी गिरफ्तार, 245 गुंडे-हिस्ट्रीशीटरों की जांच

ग्वालियर जीएनएस

त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए ग्वालियर पुलिस ने बुधवार देर रात तक शहर और देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गश्त की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर 7 और 8 अक्टूबर की दरमियानी रात हुई कार्रवाई में पुलिस ने 154 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें 68 स्थायी और 86 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। इसके अलावा 122 गुंडों और 123 हिस्ट्रीशीटरों की भी चेकिंग की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों और राजपत्रित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में थाना प्रभारियों एवं पुलिस बल के साथ कॉम्बिंग गश्त की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने स्वयं शहर में गश्त का जायजा लिया और अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

होटल-लॉज से लेकर एटीएम तक जांच : पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त करते हुए फरार बदमाशों, वारंटियों, गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों और जिला बदर आरोपियों के घर पहुंचकर उनकी चेकिंग की। इसके साथ ही बैंक, एटीएम, होटल, लॉज, धर्मशाला और ढाबों की भी जांच की गई। संदिग्ध वाहनों और मुंह बांधकर दोपहिया वाहन चलाने वालों को रोककर पूछताछ एवं जांच की गई।

पुलिस ने शहर और देहात के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में टीमें बनाकर कार्रवाई की। गली-मोहल्लों में भी पुलिस बल ने पैदल गश्त कर सक्रिय बदमाशों की धरपकड़ की।

जुआ का प्रकरण दर्ज : कॉम्बिंग गश्त के दौरान घाटीगांव थाना क्षेत्र में जुआ का एक प्रकरण दर्ज किया गया। इसके अलावा अन्य मामले में भी एक कार्रवाई की गई। पुलिस ने कई सक्रिय बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए गुंडों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड भी अपडेट किए।

जिला बदर आरोपियों और जेल से रिहा होकर आए आरोपियों की भी चेकिंग की गई। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गुंडों और बदमाशों को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रेंज ऑफिसर शुभ जैन ने दिया समावेशी विकास का संदेश

दून पब्लिक स्कूल में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

शिवपुरी जीएनएस

माधव टाइगर रिजर्व (मध्य रेंज) द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित दून पब्लिक स्कूल में विभिन्न रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माधव टाइगर रिजर्व की रेंज ऑफिसर शुभ जैन ने बच्चों को संबोधित करते हुए पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के साथ समावेशी विकास की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण का प्रभावी संदेश देते हुए पाम आर्ट प्रतियोगिता के रूप में बच्चों ने अपनी हथेलियों पर

जंगली जानवरों के आकर्षक चित्र बनाकर उनके संरक्षण का संदेश दिया इसमें कृतिक रजक और उम्मेहनी ने पुरस्कार जीते। इसके अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता में पर्यावरण संरक्षण या विकास विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में सिमरन कौर, यशिका लोधी, अरण्या रघुवंशी और पलक पराशर की टीम ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्टोन आर्ट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पत्थरों पर जीवंत कलाकृतियां उकेरकर वन विभाग की टीम को भी अचंभित कर दिया। इसमें उम्मेहआनी ने प्रथम तथा प्रणय कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पलक लोधी प्रथम, यशिका चौधरी द्वितीय और यशस्वी भारद्वाज तृतीय स्थान पर रहे, जबकि नैन्सी बघेल को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि रेंज ऑफिसर शुभ जैन ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सफल आयोजन के लिए दून पब्लिक स्कूल प्रबंधन की सराहना की। इससे पूर्व, कार्यक्रम के शुभारंभ पर दून पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ. खुशी खान ने अतिथियों का स्वागत पुस्तकें भेंट कर किया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन वर्षा खरे द्वारा किया गया, वहीं अंत में आभार प्रदर्शन डायरेक्टर शाहिद खान ने व्यक्त किया।

सेवा संकल्प के रूप में रेडक्रॉस सोसायटी ने की सेवा

शिवपुरी जीएनएस

पीड़ित मानवता की सेवा को समर्पित रेडक्रॉस सोसायटी शिवपुरी द्वारा समय-समय पर विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता की जाती है। इसी क्रम में सेवा संकल्प के अंतर्गत दिव्यांग केंद्र शिवपुरी में सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों को मिष्ठान, चॉकलेट, बिस्किट एवं नमकीन सहित अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विशाल भसीन ने जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांग केंद्र में आयोजित इस सेवा कार्य के दौरान कुल 49 दिव्यांग बच्चों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इनमें 12 दृष्टिबाधित, 23 मूक-बधिर एवं 14 मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चे शामिल रहे। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान दिखाई दी। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा समय-समय पर पीड़ित मानवता की सेवा को प्राथमिकता देते हुए जरूरतमंद, असहाय, दिव्यांग एवं वंचित वर्ग के बीच विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव में दिखा भक्ति, संस्कृति और रचनात्मकता का संगम

शिवपुरी जीएनएस

मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला प्रांगण में इन दिनों मध्यदेशीय अग्रवाल समाज केन्द्र महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें समाजजन बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान समाज अध्यक्ष सुमत कुमार गुप्ता (ख्यावदा वाले), महामंत्री कुलदीप जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकेश अग्रवाल ठेंईया, श्रीमती रेनु भरत अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, श्रीमती अंजू गोयल, श्रीमती संगम अग्रवाल, सहमंत्री वैभव अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, प्रचार मंत्री मनीष गुप्ता, रेणु नीरज गोयल सहित समाज की कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे। सभी प्रतियोगिताओं का संचालन श्रीमती रेनु भरत अग्रवाल, श्रीमती संगम अग्रवाल एवं श्रीमती दीपा बंसल ने किया।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी अशोक अग्रवाल एवं सुरेन्द्र जैन बंटी ने बताया कि इसी क्रम में अग्रसेन विकास परिषद एवं अग्रवाल महिला मित्र मंडल के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में हिंदी फिल्मी गीतों के साथ वेस्टर्न प्रस्तुतियों के अलावा नारी शक्ति, धार्मिक गीतों पर सीता संवाद, पार्वती-सप्तऋषि एवं कृष्ण संवाद जैसी प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्ति, संस्कृति और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिला। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अन्वी गुप्ता ने प्रथम, प्रनीका अग्रवाल ने द्वितीय तथा सान्वी जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सांसद भारत सिंह कुशवाह ने युवाओं से किया आह्वान, नशामुक्त भारत की दिलाई शपथ

साइबर सुरक्षा, महिला सम्मान और नशा मुक्ति से बनेगा विकसित भारत

ग्वालियर जीएनएस

मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर की ओर से बुधवार को शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिरला नगर में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम के तहत 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद भारत सिंह कुशवाह रहे। अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने की। विशिष्ट अतिथि हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट एवं एमएमए के वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर मौजूद रहे।

युवा शक्ति देश का भविष्य : सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध लगातार चुनौती बन रहे हैं। ऐसे में युवाओं को साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन गतिविधियों को लेकर विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने महिला सुरक्षा और सम्मान को सशक्त समाज के लिए जरूरी बताते हुए युवाओं से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज दोनों के

लिए नुकसानदायक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से सेवा भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

खेल और अनुशासन पर जोर : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने खेल भावना और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों को सामूहिक रूप से नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में प्राचार्य सचिन कौरव, प्राचार्य पुष्कर बंसल, जिला रोजगार अधिकारी दिनेश बातम, यूथ आइकॉन तरुण विश्वकर्मा और सुशील उपाध्याय सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में नेशनल यूथ वॉलिंटियर चमन कुशवाह, विक्रम बघेल, विशाल कुशवाह, कोमेंद्र गुर्जर, अनुज शर्मा, रागिनी चौरसिया सहित छात्र-छात्राओं ने सहयोग किया। संचालन सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने किया।

नाना पाटेकर : पर्दे पर आते थे तो किरदार नहीं, पूरा सच सामने खड़ा हो जाता था

जय सिंह रघुवंशी

हिंदी सिनेमा में स्टार बहुत हुए, लोकप्रिय अभिनेता भी बहुत हुए और पुरस्कार जीतने वाले कलाकार भी कम नहीं रहे। लेकिन कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं जिनकी कोई नकल नहीं हो सकती। नाना पाटेकर इसी श्रेणी के कलाकार थे। वह पर्दे पर आते थे तो ऐसा नहीं लगता था कि कोई अभिनेता किसी किरदार को निभाने आया है। लगता था, जैसे उस किरदार की पूरी जिंदगी, उसका गुस्सा, उसकी तकलीफ और उसकी बेचैनी अचानक हमारे सामने आ खड़ी हुई है।

नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में जन्मे नाना का बचपन आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक परिस्थितियां बदलीं तो कम उम्र में ही उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। मुंबई में स्कूल के बाद फिल्मी पोस्टर तक पेंट किए। शायद जिंदगी का यही संघर्ष बाद में उनके अभिनय की सबसे बड़ी ताकत बना। उन्होंने किसी फिल्मी स्कूल से ज्यादा जीवन से सीखा और लोगों को करीब से देखकर किरदारों को समझा।

उनका पहला प्यार सिनेमा नहीं, रंगमंच था। मराठी थिएटर ने नाना को वह प्रशिक्षण दिया, जिसने आगे चलकर उनके पूरे फिल्मी व्यक्तित्व को आकार दिया। मंच पर कैमरे का सहारा नहीं होता। वहां न क्लोजअप होता है, न रीटेक। सिर्फ अभिनेता, उसका शरीर, उसकी आवाज और सामने बैठे दर्शक होते हैं। नाना ने इसी दुनिया में अपनी आवाज को धार दी और संवाद को सिर्फ शब्दों से आगे ले जाना सीखा।

फिल्मों में उनकी शुरुआत 1978 की गमन से मानी जाती है। इसके बाद अंकुश, प्रतिघात, अंधा युद्ध, आवाम और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी जगह बनाई। शुरुआत से ही वह पारंपरिक नायक की परिभाषा में फिट नहीं बैठते थे। उनके चेहरे में चमकदार हीरो वाली खूबसूरती नहीं थी, लेकिन उसी चेहरे में आम आदमी की थकान, अपराधी की बेचैनी, सैनिक का अनुशासन और टूटे हुए इंसान का दर्द दिखाई देता था। फिर आई परिंदा और नाना पाटेकर का सिनेमाई जीवन एक नए मोड़ पर पहुंच गया। अन्ना का किरदार हिंदी फिल्मों के खलनायक की एक अलग तस्वीर लेकर आया। वह हर वक्त चिल्लाने वाला या डरावना दिखने की कोशिश करने वाला विलेन नहीं था। उसकी सामान्य बातचीत में भी खतरा छिपा था। वह मुस्कुराता था तो भी डर लगता था और शांत रहता था तो भी लगता था कि कुछ भयानक होने वाला है। इस भूमिका ने नाना को राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया।

लेकिन नाना सिर्फ गुस्से और हिंसा के अभिनेता नहीं थे। क्रांतिवीर में प्रताप नारायण तिलक बनकर उन्होंने व्यवस्था से नाराज उस आम आदमी की आवाज को पर्दे पर उतारा, जो भीतर से टूट

चुका है लेकिन अन्याय के खिलाफ खड़ा होना चाहता है। यह वह भूमिका थी जिसमें नाना के संवाद भाषण नहीं लगे, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति की चीख लगे जो बहुत कुछ सहने के बाद बोल रहा हो। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

उनके अभिनय की एक खासियत थी कि वह संवाद बोलते नहीं थे, संवाद को जीते थे। शब्दों के बीच अचानक आने वाला ठहराव, आवाज का धीरे-धीरे भारी होना और फिर अचानक फट पड़ना, उनकी अपनी शैली बन गई। लेकिन शायद उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वह चुप रहकर भी अभिनय कर सकते थे।

खामोशी~ द म्यूजिकल इसका बेहतरीन उदाहरण है। इसमें उन्होंने जोसेफ का किरदार निभाया, जिसके पास संवादों के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त करने की सामान्य सुविधा नहीं थी। जिस अभिनेता को दर्शक तेज आवाज और तीखे संवादों के लिए पहचानते थे, वही अभिनेता यहां आंखों, चेहरे और खामोशी से भावनाएं व्यक्त करता दिखाई दिया। यही वह जगह थी जहां नाना की अभिनय क्षमता का दूसरा चेहरा सामने आया।

अग्निसाक्षी में उन्होंने एक जुनूनी और खतरनाक पति का किरदार निभाया। यहां उनका डर गुस्से से नहीं, बल्कि सामान्य व्यवहार के भीतर छिपा हुआ था। अब तक छप्पन में साधु आगाशे बने तो एक ऐसे पुलिस अधिकारी को पर्दे पर उतारा जो लगातार हिंसा करते-करते भीतर से थक चुका है। नाना ने उसे न तो पारंपरिक हीरो बनाया और न खलनायक। वह एक ऐसा आदमी था जो अपने काम और अपने भीतर की इंसानियत के बीच कहीं फंस गया था। फिर आया वेलकम और नाना ने खुद अपनी बनाई गंभीर छवि को तोड़ दिया। उदय शेट्टी के रूप में उन्होंने जिस अंदाज में कॉमेडी की, वह आज भी याद की जाती है। मजेदार बात यह थी कि वह कॉमेडी करने के लिए खुद को हास्यास्पद नहीं बनाते थे। वह पूरी गंभीरता से मजेदार परिस्थितियों में मौजूद रहते थे। अनिल कपूर के मजनू भाई के साथ उनकी जोड़ी फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक बन गई। इससे साबित हुआ कि नाना केवल गुस्से, अपराध और गंभीर भूमिकाओं के अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गजब का हास्यबोध भी था।

राजनीति में उनका अंदाज फिर बदल गया। बृज गोपाल के किरदार में वह सत्ता के खेल को समझने वाले ऐसे व्यक्ति बने जो बहुत कुछ जानता है, लेकिन हर बात कहता नहीं। यहां उनकी ताकत शोर नहीं, संयम था।

और फिर नटसम्राट। शायद यह वह फिल्म थी जिसमें नाना पाटेकर का थिएटर, उनका जीवन और उनका अभिनय एक ही जगह आकर मिल गया। गणपत बेलवलकर का किरदार एक ऐसे रंगमंच कलाकार की कहानी है, जिसने पूरी जिंदगी दूसरों के किरदार जिए, लेकिन उम्र के आखिरी पड़ाव में अपने ही जीवन में अकेला पड़ गया। इस भूमिका में नाना को देखना कई बार अभिनय देखने जैसा नहीं, बल्कि किसी कलाकार की निजी पीड़ा में झांकने जैसा लगता है। नाना की निजी सोच भी उनके अभिनय की तरह बेबाक रही। उन्होंने एक बातचीत में कहा था कि कलाकार की जिंदगी अक्सर उसकी अपनी नहीं रहती। आज वह एक किरदार की जिंदगी जीता है, कल दूसरे किरदार की। शायद इसी वजह से रंगमंच की तालियां उनके लिए हमेशा खास रहीं। मंच के सामने का अंधेरा और उसमें से आती दर्शकों की तालियां उनके लिए किसी नशे से कम नहीं थीं। सिनेमा के बाहर भी उनका व्यक्तित्व ग्लैमर से दूर रहा। वह उन कलाकारों में नहीं थे जिन्हें अपनी लोकप्रियता दिखाने के लिए लगातार कैमरे की जरूरत होती है। उनका रिश्ता गांव, मिट्टी, किसानों और सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा रहा। सेना के प्रति उनका आकर्षण भी लंबे समय तक उनके व्यक्तित्व का हिस्सा रहा और प्रहार के लिए उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण लिया था। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद उनके पुरस्कारों की संख्या नहीं है। उनकी असली उपलब्धि यह है कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक ऐसी भाषा बनाई, जिसे शब्दों में पूरी तरह समझाना मुश्किल है। वह चीखते थे तो आवाज याद रहती थी, चुप रहते थे तो आंखें याद रहती थीं और मुस्कुराते थे तो उसके पीछे छिपी कहानी दिखाई देती थी। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन की खबर ने हिंदी सिनेमा को उस अभिनेता से वंचित कर दिया, जिसकी जगह भरना आसान नहीं होगा। नाना पाटेकर की फिल्में अब भी देखी जाएंगी। उनके संवाद दोहराए जाएंगे। परिंदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, अब तक छप्पन का साधु, वेलकम का उदय शेट्टी और नटसम्राट का गणपत बेलवलकर आने वाली पीढ़ियों से भी मिलते रहेंगे। लेकिन नाना की सबसे बड़ी विरासत शायद इन किरदारों से भी आगे है, यह भरोसा कि अभिनेता बनने के लिए सिर्फ चेहरा नहीं, जिंदगी चाहिए। और नाना पाटेकर के पास जिंदगी बहुत थी। संघर्ष की, गुस्से की, संवेदना की, अकेलेपन की और सबसे बढ़कर सच को पर्दे पर उतार देने की। इसीलिए नाना पाटेकर को याद करना सिर्फ एक अभिनेता को याद करना नहीं है। यह उस दौर को याद करना है जब अभिनय में चमक से ज्यादा अनुभव, संवाद से ज्यादा ठहराव और स्टारडम से ज्यादा कलाकार होने की कीमत थी।

कोविड में 108 दिवंगतों के मोक्ष के लिए हरिद्वार से गंगा जल आया, सुंदरकांड होगा

ग्वालियर, जीएनएस।

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्टीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रामबाबू सेन , जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार पाठक ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा ि क
हिन्दू महासभा भवन दौलतगंज में शनिवार दिनांक 10 अक्टूबर को सर्व पितृ अमावस्या पर सुबह 11 30 बजे कोबिड में 108 दिवंगतों के मोक्ष सर्व पितृ अमावस्या को हिन्दू महासभा भवन में कोविड काल में लक्ष्मीगंज मुक्ति धाम में 108 अस्थियों का मोक्ष के लिए हिंदू महासभा ने 5 साल पूर्व गंगा जी में विसर्जन कर गरूड़ पुराण, आत्मा की शांति हवन पंडित गिरिराज गुरुजी से कराया थ ा ।
अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्टीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज ने उनकी आत्मा की शांति, तथा ईश्वर ऐसी आपदा कभी भी नहीं आएं एवं सभी के सुख, समृद्धि, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए त्यों वारषी पटा , पंडित गिरिराज गुरुजी द्वारा हरिद्वार से गंगा मैया लाएं उसका पूजन, महिलाओं द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ,श्राद्ध ,पितृ तर्पण, विसर्जन श्री महेश मुदगल एवं श्री राजीव चड्ढा जी के मुख्य संयोजकत्व में कराएंगे। इस अवसर पर सभी राजनीतिक दलों, व्यापारी,समाजों के अध्यक्ष , प्रमुखों को आमंत्रित किया है। जो 108 अस्थियों के अनुज अपनों को मोक्ष के लिए या समाज सेवी भाग लेने के इच्छुक हो वह निशुल्क पंजीयन कराकर पूजन में भाग लेने दिनांक 9 अक्टूबर को सायं काल 4-00 बजे से 6-00 बजे तक रामबाबू सेन,पवन गुप्ता को हिन्दू महासभा भवन में पंजीयन करा सकते हैं।

अवैध शराब की दुकान हटाने के लिए महिलाओं ने एसडीएम को दिया ज्ञापन, नहीं हटाई गई तो करेंगे आंदोलन...

डबरा में अवैध शराब की बिक्री को लेकर अब स्थानीय लोगों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई देने लगा है। पिछोर के रावतपुर स्थित वार्ड क्रमांक 9 के जाटव मोहल्ले में कथित अवैध शराब की बिक्री और शराबियों के जमावड़े से परेशान महिला-पुरुषों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बड़ी संख्या में लोग डबरा एसडीएम कार्यालय पहुंचे और अवैध शराब की बिक्री बंद कराने की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।शराबियों के हुड़दंग से परेशान मोहल्लेवासी, महिलाओं की सुरक्षा पर उठाए सवाल!

ज्ञापन में रहवासियों ने मोहल्ले में अवैध रूप से देशी शराब बेचने का आरोप लगाया है। नागरिकों का कहना है कि शराब की बिक्री के चलते बस्ती में दिन-रात शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। नशे में गाली-गलौज, अश्लील हरकतों और हुड़दंग के कारण महिलाओं और बेटियों को घर से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों ने मारपीट और विवाद की आशंका जताते हुए प्रशासन से तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एसडीएम की अनुपस्थिति में नागरिकों ने कार्यपालन मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। अब देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर कितनी जल्दी कार्रवाई करता है और मोहल्लेवासियों को कथित अवैध शराब बिक्री तथा उससे जुड़ी परेशानियों से कब राहत मिलती है।

श्री गुरुजी सभागार के निर्माण का भूमि पूजन संपन्न

शिवपुरी, जीएनएस।

विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के मार्गदर्शन में तात्या टोपे बाल कल्याण समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, अस्पताल चौराहा में निर्माण होने वाले श्री गुरुजी सभागार का भूमि पूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में विद्या भारती के संगठन मंत्री निखिलेश माहेश्वरी, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, सचिव दिग्विजय सिंह तथा समिति अध्यक्ष कुंज बिहारी चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संगठन मंत्री निखिलेश माहेश्वरी ने कहा कि जब किसी विद्यालय से लोगों का सौहार्द, भावनात्मक जुड़ाव और अपनापन हो जाता है तो वह केवल विद्यालय नहीं रहता, बल्कि मंदिर का स्वरूप ले लेता है। यही कारण है कि इसे सरस्वती शिशु

मंदिर कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यहां ज्ञान, कला, संस्कृति, संगीत और शिक्षा के साथ बच्चों में अच्छे संस्कार देकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल चौराहा स्थित शिशु मंदिर पिछले पांच वर्षों से लगातार प्रगति कर रहा है। विद्यालय की प्रतिष्ठा ऐसी है कि यहां प्रतिभावान बच्चों का सम्मान और प्रोत्साहन किया जाता है। यह केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण स्थान है। श्री माहेश्वरी ने कहा कि विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकले अनेक भैया-बहन आज प्रशासन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए देश और समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय से निकली प्रतिभाओं की उपलब्धियां संस्था के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों एवं उपस्थित नागरिकों का आह्वान किया कि विद्यालय के विकास और उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहें तथा विद्यालय के साथ अपना भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखें। भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला संचालक राजेश गोयल, नगर संचालक विमल जैन, राष्टीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी सूरज जैन, हरियाणा जी प्रजापति, देवेंद्र बजाज, सतीश अग्रवाल, दिलीप उपाध्याय, विद्यापीठ के व्यवस्थापक पवन शर्मा, सह-व्यवस्थापक जितेन शर्मा सहित गणेश कॉलोनी एवं राघवेंद्र नगर स्थित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, समिति पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्दा गिर गया, नाना अमर हो गए...!

जिस आवाज़ में था सच का साहस,
जिस आँखों में था फ्दर्दफ्, देता राहत।
जिसके संवाद में जीवन बोलता था,
आज वो ही कलाकार मौन हो गया।
'परिंदा' में उसके संघर्ष की आग थी,
'तिरंगा' में जज़्बा-'प्रहार' स्वाभिमान।
'अग्निसाक्षी' संवेदनाओं की गहराई,
'क्रांतिवीर' की आवाज़ नाना महान।
'खामोशी' में मौन हुआ रूदन संगीत,
'अब तक छप्पन' में हैं कठोर चेहरा।
फिर 'वेलकम' में हँसाकर आ ठहरा,
अंदर इंसानियत की जीत का सेहरा।
जब 'नटसम्राट' बनके उभरकर आए,
सब को लगा रंगमंच स्वयं बोल पड़ा।
संवाद नहीं केवल शब्द, जीवन घुला,
किरदारों में सदा नाना रहता है खड़ा।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

11 अक्टूबर को प्रभात फेरी निकाली जाएगी

ग्वालियर। श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव के उपलक्ष में श्री करौलीवालान पंचायत मंदिर नया बाजार से 11 अक्टूबर, रविबार,प्रातः 8 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। यह प्रभात फेरी दाल बाजार, इंदरगंज चौराहा, पुराना हाईकोर्ट रोड, लोहिया बाजार होते हुए पुनः करौली मंदिर पर पहुंचकर समाप्त होगी। पंचायत के सचिव सुनील अग्रवाल सनी ने सभी अग्रबंधुओं से आव्हान किया कि हम सब महाराजाधिराज अग्रकुल प्रवर्तक श्री अग्रसेन जी के विश्व को उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें। अध्यक्ष रवि सिंघल, कोषाध्यक्ष रम्मी गोयल एवं कार्य समिति सदस्यों ने सभी अग्रबंधुओं से अपील की है कि श्री अग्रसेन जी के चित्र का पूजन, स्वागत-वंदन करें।

मच्छर जनित बीमारियां रोकने अनेक बस्तियों में कराई फॉगिंग

ग्वालियर। मच्छर जनित संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर के सभी वार्ड की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है।

'मनमुक्त' का कर्तृत्ववान महिलाओं के अभिनव सम्मान समारोह

'चाकोरी से बाहर निकलकर अपनी पहचान बनाने वाली मैत्रिणियों के कर्तृत्व और संघर्ष को सलाम'

पुणे, जीएनएस।

घर, परिवार, रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने और विभिन्न क्षेत्रों में अपने कर्तृत्व की छाप छोड़ने वाली महिलाओं के कार्य को सलाम तथा उनके संघर्ष के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से मनमुक्त फाउंडेशन की ओर से 'चाकोरीबाहेरील मैत्रिणी' कृतज्ञता समारोह का आयोजन किया गया। पाषाण, पुणे स्थित सी.पी.आर. सभागृह में आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली दस कर्तृत्ववान महिलाओं का कृतज्ञतापूर्वक सम्मान किया गया।

÷वेदनेला हरवलेस तू, संवेदनेला जागवलेस तू, नियतीलाही नमवलेस तू, यशास कमवलेस तूज शाब्बास! भेदलीस चाकोरी 'तू'!÷-इस भावना को केंद्र में रखते हुए आयोजित इस समारोह ने सम्मान से अधिक कृतज्ञता और पुरस्कार से अधिक संघर्ष को सलाम करने का एक अलग अर्थ प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर दीपाली बांद्रे, दीपाक्षी शिंगारे, मनीषा गंपले, प्रियंका भिडे, प्रतिभा गुरव, प्रणोती शितोळे, राजश्री चिंतामणी, रेणुका कड, सायली चौगुले और विद्या काटकर-इन दस कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान किया गया। प्रत्येक सम्मानित महिला का जीवन-सफर भले ही अलग रहा हो, लेकिन अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर समाज के लिए कुछ करने की जिद और सामाजिक प्रतिबद्धता उनके कार्यों की समान कड़ी रही है, यह बात इस अवसर पर रेखांकित की गई।

कार्यक्रम की प्रस्तावना मनमुक्त फाउंडेशन की संचालिका अस्मिता काळे ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पराग कलण, दिव्या भोसले और प्रथमेश भोसले ने किया, जबकि मनमुक्त फाउंडेशन की संचालिका मनीषा कुरूहाडे ने आभार व्यक्त किया। 'मिळून सार्‍याजणी' की संपादक गीताली वी. मं., पुलिस उपायुक्त नम्रता पाटील और डॉ. वर्षा कुरूहाडे की विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। इस समारोह के साथ दो महत्वपूर्ण उपक्रमों का भी शुभारंभ किया गया। दिव्या भोसले द्वारा लिखित 'ये हृदयीचे ते हृदयी' पुस्तक के पोस्टर का अनावरण किया गया। साथ ही, 2 अक्टूबर, महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर मनमुक्त फाउंडेशन के विचारविश्व को व्यापक मंच प्रदान करने वाले नए मासिक 'लेट्स इव्हॉल्व्ह' का शुभारंभ किया गया।

'समझिए। चिंतन कीजिए। निरंतर विकसित होते चलिए।' इस विचार के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को समझे, अपने अंतर्मन का चिंतन करे और अधिक सजग, संवेदनशील तथा अर्थपूर्ण जीवन की ओर आगे बढ़े-यही इस मासिक का मूल उद्देश्य है। यह मासिक हर महीने प्रकाशित किया जाएगा। आज के दौर में सफलता की परिभाषा अक्सर पद, पैसा और प्रतिष्ठा तक सीमित कर दी जाती है। लेकिन किसी के जीवन में आशा की किरण जगाना, अन्याय के खिलाफ खड़ा होना, ज्ञान की ज्योति जलाए रखना, निराश्रितों को सहारा देना या समाज परिवर्तन के लिए निरंतर कार्यरत रहना-यह भी उतना ही बड़ा कर्तृत्व है। इसी भावना से 'चाकोरीबाहेरील मैत्रिणी' यह उपक्रम आकार लेता है। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि समाज के लिए कार्य करने वाली महिलाओं के योगदान के प्रति व्यक्त की गई कृतज्ञता है। मनमुक्त फाउंडेशन की 'व्यक्त व्हा ज़ रिक्त व्हा ज़ मुक्त व्हा' विचारधारा से आयोजित यह समारोह महिला कर्तृत्व को नई पहचान देने के साथ-साथ उसके संघर्ष, संवेदनशीलता और सामाजिक योगदान को अधिक सजगता से देखने का संदेश देने वाला रहा। कर्तृत्व से आगे बढ़कर संघर्ष को सलाम करने वाला और नए विचारों को मंच देने वाला यह समारोह मनमुक्त फाउंडेशन की सामाजिक यात्रा में एक सार्थक पड़ाव साबित हुआ।

नवरात्र में वार्ड 36 की जर्जर सड़कों और गड्ढों के कारण माँ दुर्गा की मूर्ति खंडित होने का खतरा

ग्वालियर, जीएनएस।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी (बुनकर प्रकोष्ठ) श्री राहुल शाक्य ने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर वार्ड क्रमांक 36 की बदहाल सड़कों और गड्ढों को लेकर गंभीर चिंता जताई है तथा उन्हें इस गंभीर समस्या से लिखित रूप में अवगत कराया है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि नवरात्र पर्व से पहले सड़कों के गड्ढे नहीं भरे गए और कोई मूर्ति खंडित हुई, तो इसका संपूर्ण उत्तरदायित्व शासन और स्थानीय प्रशासन का होगा। श्री शाक्य ने प्रेस को जारी अपने बयान में कहा कि आगामी पावन नवरात्र पर्व के अवसर पर वार्ड क्रमांक 36 के अंतर्गत आने वाली तमाम गलियों और मुख्य मार्गों पर माँ दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जानी हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। वर्तमान में वार्ड की अधिकांश गलियां खुदी हुई हैं और वहां बड़े-बड़े खतरनाक गड्ढे हो रखे हैं।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पर्व के दौरान जब इन टूटी-फूटी सड़कों से माता की मूर्तियों को पंडालों तक लाया और ले जाया जाएगा, तब मूर्ति के खंडित होने का अति गंभीर खतरा बना हुआ है। यह सीधे तौर पर सनातन धर्म और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा अति संवेदनशील विषय है। सड़कों की बदहाली के कारण यदि आस्था को ठेस पहुँचती है या कोई अप्रिय घटना घटती है, तो हिंदू समाज इसे सहन नहीं करेगा।

प्रशासन से त्वरित मांग

भाजपा नेता राहुल शाक्य ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए वार्ड क्रमांक 36 की सभी खुदी हुई गलियों और मार्गों के गड्ढे तत्काल प्रभाव से युद्धस्तर पर भरवाए जाएं, जिससे पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धापूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

महाराजा श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150 वीं जयंती के तहत दोपहर 2=30 बजे अग्रवाल धर्मशाला जाट मोहल्ला गुना में महिला कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित किया गया, जिसमे नवयुवक दल के अध्यक्ष अनिल बिंदल एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीलम बिंदल, सचिव श्रीमती स्वाति अग्रवाल एवं समस्त कार्यकारणी उपस्थित रहे । समस्त कार्यकारिणी ने महाराजा श्री अग्रसेन जी के चित्र पर माला पहनाकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया। अग्रवाल महिला मंडल ने महिला कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन रखा जैसे मुरली की तान, माखन की मिठास, कुकरी क्वीन, नवरात्रि सात्विक थाली, अलंकारिक मसाला मिस्ट्री, राम नाम कला सृजन, मेरी आस्था - मेरा सृजन सॉस से रंगोली। इन प्रतियोगिताओं में सभी वर्ग की महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इसी तरह शाम 8 बजे नारायण गार्डन में अग्रवाल सोशल ग्रुप द्वारा ÷कौन बनेगा चैंपियन 2÷ एवं ÷तंबोला÷ एक नये अंदाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित एवं महाराजा श्री अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। जिसमे अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश जी अग्रवाल, अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल, सचिव इंजी. अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, उमंग उपाध्यक्ष जगमोहन बंसल, सह सचिव जुगल किशोर अग्रवाल,संग्राहक मनोज बिंदल, अग्रवाल सोशल ग्रुप अध्यक्ष ष्ट पंकज वैश्य, सचिव वरुण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बिष्णु बंसल, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल %कमल% एवं समस्त सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता यह रही कि यह ÷कौन बनेगा करोड़पति÷ के आधार पर था ÷कौन बनेगा चैंपियन-2÷ के साथ ÷तंबोला÷ (हाउजी) विशेष आकर्षक उपहारों के साथ साथ ही कराया गया।

शहर की हरियाली को संवारने निगम का विशेष अभियान तेज

डिवाइडरों और रोड साइड की हरित पट्टियों की हो रही है विशेष देखभाल

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से पार्क विभाग के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में डिवाइडरों, सड़क किनारे स्थित हरित पट्टियों एवं फुटपाथ क्षेत्रों की साफ-सफाई, पेड़-पौधों की छंटाई तथा अनावश्यक रूप से उगी गाजरघास को हटाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इस संबंध में 5 अक्टूबर 2026 को बाल भवन में आयुक्त द्वारा पार्क विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में शहर की हरित पट्टियों एवं डिवाइडरों को व्यवस्थित करने के लिए 5 से 11 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में बुधवार 7 अक्टूबर को शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर उद्यान निरीक्षक एवं उद्यान पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में निगम की टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर कार्य कराया गया।

नगर निगम द्वारा अभियान के दौरान शहर के प्रमुख डिवाइडरों और सड़क किनारे के हरित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि स्वच्छ, सुंदर और हराभरा ग्वालियर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सके।

आने वाले दिनों में भी चिन्हित क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से सफाई, छंटाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य जारी रहेगा। यह अभियान अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर, उपायुक्त श्री मुकेश बंसल एवं पार्क अधीक्षक श्री भूपेंद्र सासोड़े के निर्देशन में उद्यान निरीक्षक एवं समस्त उद्यान पर्यवेक्षकों द्वारा गठित दलों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत श्री राजकुमार सिंह राजावत, उद्यान निरीक्षक के नेतृत्व में हजीरा चौराहे से शर्मा फार्म की ओर जाने वाले मार्ग के डिवाइडर एवं सड़क किनारों पर साफ-सफाई तथा हरित क्षेत्र को व्यवस्थित करने का कार्य कराया गया। इसी प्रकार उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा की टीम द्वारा एयरपोर्ट तिराहा से दीनदयाल नगर गेट नंबर-1 तक सड़क डिवाइडर एवं रोड किनारे की हरित पट्टियों की सफाई की गई। श्री सुभाष शाक्य, उद्यान पर्यवेक्षक के नेतृत्व में कटोरा ताल रोड के डिवाइडर पर आवश्यक सफाई एवं रखरखाव कार्य कराया गया।वहीं श्री राजकुमार नागर, उद्यान पर्यवेक्षक की टीम द्वारा सचिन तेंदुलकर मार्ग पर डीबी सिटी से सिरोल चौराहे तक डिवाइडर एवं रोड साइड की हरित पट्टियों को व्यवस्थित किया गया।

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों, निक्षय मित्रों और स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

टीबी उन्मूलन के लिए युवा शक्ति तैयार, टीमें घर-घर स्क्रीनिंग में करेंगी सहयोगः श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सघन स्क्रीनिंग के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश में अब तक 1.12 लाख टीबी मरीजों की समय पर पहचान की जा चुकी है। पहले जहां 25 से 30 हजार मरीज ही चिन्हित हो पाते थे, वहीं व्यापक स्क्रीनिंग से अधिक मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से 6 माह तक दवा लेने, पौष्टिक आहार और निक्षय मित्रों के सहयोग से टीबी मरीज पूर्णतः स्वस्थ होकर 'टीबी चैंपियन' बन रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य के साथ वर्ष 2047 तक विकसित और हेल्दी भारत के निर्माण का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आज गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में छ्हस॥ (जॉइंट स्क्वॉड फ़ॉर हेल्थ) टीम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने नई दिल्ली से राष्ट्रव्यापी स्तर पर छ्हस॥ टीम का वर्चुअल शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, आयुक्त स्वास्थ्य श्री एस. धनराजू, आयुक्त स्वास्थ्य, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. सलोनी सिडाना, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की डीन डॉ. कविता सिंह, सहित वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर जांच गंभीर बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के समय पर एंटी-नेटल चेकअप (एएनसी) कराने और ग्राम पंचायतों से इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं फैटी लिवर के साथ सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग का भी व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा निःशुल्क जांच एवं दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन इन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जन-जागरूकता और जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छ्हस॥ टीमें युवाओं की शक्ति को टीबी उन्मूलन अभियान से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल हैं। माय भारत के स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक एवं जिला स्तर पर गठित टीमें घर-घर स्क्रीनिंग अभियान में सहयोग करेंगी तथा संभावित मरीजों की पहचान, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों, निक्षय मित्रों और स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों, 3 निक्षय मित्रों तथा 5 स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। भोपाल जिले की लगातार तीन वर्षों तक टीबी मुक्त पंचायत की श्रेणी में शामिल बैरसिया ब्लॉक की बांदरुआ, उनीदा, उमरिया, मणिखेड़ी एवं रानी खजूरी तथा फंदा ब्लॉक की निपनिया सूखा, खामखेड़ा एवं कोडिया ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया गया। टीबी मरीजों को निरंतर पोषण एवं सामाजिक संबल प्रदान करने के लिए डॉ. मनोज निगम, डॉ. प्रेमलता गोयल एवं श्रीमती मोनिका रोबोट को निक्षय मित्र सम्मान प्रदान किया गया। टीबी स्क्रीनिंग एवं संभावित मरीजों की पहचान में उत्कृष्ट योगदान के लिए पीपुल्स हॉस्पिटल एवं डॉ. आर.के. दीक्षित को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ भोपाल, को प्रदेश में सर्वाधिक एक्स-रे स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने, डॉ. अनिमेश सिंह, डीटीओ भोपाल, को उत्कृष्ट समन्वय एवं प्रबंधन, श्री के.के. सिंह, टीबीएचवी, को सर्वाधिक फील्ड स्क्रीनिंग, श्री महेश शर्मा, लैब टेक्नीशियन, को सर्वाधिक ड्डङ्ग जांच तथा श्रीमती ज्योतिमाला रावोल, रेडियोग्राफर, को सर्वाधिक एक्स-रे जांच के लिए सम्मानित किया गया।

सामूहिक प्रयासों से टीबी मुक्त मध्यप्रदेश और स्वस्थ भारत के लक्ष्य प्राप्ति को मिलेगी गतिः राज्य मंत्री श्री पटेल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए युवाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। छ्हस॥ टीम के माध्यम से माय भारत स्वयंसेवक एवं एनसीसी कैडेट्स जन-जागरूकता, स्क्रीनिंग और संभावित मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से टीबी मुक्त मध्यप्रदेश और स्वस्थ भारत के लक्ष्य को और गति मिलेगी।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष सहभागिता की। इनमें स्ड्ड क्कद्धड्डह्लड्डह्ल स्वयंसेवक, ह्रष्ट्ट कैडेट्स, ह्ज्ञश्चक्क टीम, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की फैकल्टी एवं स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। भोपाल जिले के दो ब्लॉक्स की छ्हस॥ टीम के स्ड्ड क्कद्धड्डह्लड्डह्ल स्वयंसेवकों एवं ह्रष्ट्ट कैडेट्स ने मुख्य अतिथियों के साथ सामूहिक छायाचित्र भी लिया। कार्यक्रम से प्रदेश के सभी 55 जिलों के जनप्रतिनिधि, सरपंच, स्थानीय निकाय प्रतिनिधि, एनसीसी कैडेट्स, माय भारत स्वयंसेवक एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रदेशभर से 5,000 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम में ऑनलाइन सहभागिता की और टीबी सहित जन-स्वास्थ्य अभियानों को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई में आयोजित 'इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' में उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। इसी म में बहु-क्षेत्रीय आरपीजी समूह के चेयरमैन श्री हर्ष गोयनका ने मुख्यमंत्री जी से भेंट कर मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। अवसंरचना, मोबिलिटी एवं टायर, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा समाधान, प्लांटेशन सहित विभिन्न उभरते क्षेत्रों में सॉ य आरपीजी समूह के साथ हुई बैठक में औद्योगिक विस्तार और प्रदेश में संभावित निवेश के अवसरों पर सकारात्मक संवाद हुआ।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के 3 मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु 1.95 लाख रुपये की सहायता

शिवपुरी, जीएनएस। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के 3 जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु कुल 1 लाख 95 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के आदेशानुसार संबंधितों को भुगतान कर दिया गया है।

इसके तहत वार्ड नम्बर 10 गूडर रोड खनियाधाना निवासी श्री ईशू जैन को गंभीर बीमारी के इलाज हेतु 50 हजार रुपये की सहायता दी गई है। तहसील कोलारस के ग्राम रामगढ़ निवासी श्री सुनील कुमार यादव को हेड इंजरी के उपचार हेतु 95 हजार रुपये, तहसील कोलारस के ग्राम रामगढ निवासी श्री बृजेश यादव को गंभीर रोग के उपचार हेतु 50 हजार रुपये की राशि दी गई है।

नवदुर्गा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बागचीनी। आगामी नवदुर्गा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर आज 8 अक्टूबर 2026 को थाना बागचीनी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक थाना प्रभारी महोदय की अध्यक्षता में दोपहर 12ः00 बजे आयोजित हुई। इसमें मूर्ति स्थापना, पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित नवदुर्गा पर्व से संबंधित विभिन्न आवश्यक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में क्षेत्र के संबंधित लोगों ने उपस्थित होकर पर्व को शांतिपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने को लेकर आवश्यक सुझाव दिए। थाना बागचीनी जज सिंह यादव की ओर से सभी से त्योहार के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बागचीनी के सरपंच प्रेम सिंह सिकरवार,दिनेश सिकरवार ,डॉक्टर जगदीश सिकरवार और परसराम शर्मा व ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

मद्य निषेध सप्ताह के समापन समारोह का गरिमामय आयोजन; युवाओं को दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

शिवपुरी, जीएनएस। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग शिवपुरी द्वारा कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार मद्य निषेध सप्ताह के समापन समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे की लत से दूर रखना तथा उन्हें नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना था। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं एवं आमजनों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं को नशा न करने और समाज के अन्य लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाते हुए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विशेषज्ञों एवं वक्ताओं द्वारा नशे के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने युवाओं को समझाया कि नशा किस प्रकार उनके उज्ज्वल भविष्य तथा परिवार की खुशहाली को प्रभावित करता है।

इसी कड़ी में 'सेवा संकल्प शिविर' एवं 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम व आत्मनिर्भर बनाने हेतु विशेष पहल की गई।

विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुसार 144 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इसके साथ ही 8 दिव्यांग हितग्राहियों को यूडीआईडी कार्ड भी वितरित किए गए।

दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास

विभाग द्वारा उठाया गया यह कदम दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है।

सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक शशांक विरही ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र दिव्यांगजनों को सभी जरूरी सुविधाएं और उपकरण समय पर उपलब्ध कराने हेतु इस प्रकार के शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

शहर से खत्म किए 13 कचरा ठीये

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को कचरा ठिया मुक्त बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत मंगलवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर सालों से बने कचरा ठियों को समाप्त कर वहां पर रंगोली बनाई गई। साथ ही आम जनों से बात कर उन्हें समझाइश दी गई कि कचरा डस्टबिन अथवा डोर टू डोर टिपर वाहन में ही डालें ।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम की टीमों द्वारा शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दशकों पुराने कचरा ठीयों को खत्म किया जा रहा है। बुधवार को मेहरा रोड, इंद्रमणि नगर, हरिशंकरपुरम, बहोडापुर, महावीर कॉलोनी, बैंक कॉलोनी मिश्रा हॉस्पिटल के पीछे, कृष्णा नगर, दुर्गापुरी, सत्यनारायण टेकरी, पउआ वाली माता रोड, अभिलाषा कोचिंग के सामने, आशा कन्या स्कूल के सामने, भूरी माता पहाडी वार्ड 55 में ब्लैक स्पॉट खत्म किए। इसके बाद तीनों विधानसभा में 172 ब्लैक स्पॉट शेष बचे हुए हैं।

जिनको साफ करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। साथ ही निगम कर्मचारियों ने स्थानीय नागरिकों को समझाइश दी कि वे सड़क अथवा खाली स्थानों पर कचरा न डालें। घरों से निकलने वाला कचरा निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें। उन्होंने क्षेत्रवासियों को समझाया कि अगर कोई इस स्थान पर कचरा डालता है तो वह निगम का सहयोग करें और गंदगी करने वाले व्यक्ति को रोकें।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्राम टेंटरा में जनसंवाद आज

मुरैना, जीएनएस।
मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत शुक्रवार, 09 अक्टूबर को सबलगढ़ विकासखंड के ग्राम टेंटरा में जनसंवाद एवं जन-विश्वास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद करेंगे तथा उनकी समस्याओं, शिकायतों और आवश्यकताओं की जानकारी लेकर स्थानीय स्तर पर उनके निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारी ग्राम टेंटरा एवं आसपास के क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। इस दौरान शासकीय संस्थाओं, परिसंपत्तियों तथा विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी ली जाएगी। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध शासकीय सेवाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी जमीनी स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं स्थानीय आवश्यकताओं को जाना जाएगा। पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। विभिन्न विभागों के अधिकारी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को देंगे, ताकि पात्र नागरिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया से अवगत हो सकें।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है। अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति तथा शासकीय सेवाओं की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। ग्राम टेंटरा में आयोजित जनसंवाद के माध्यम से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हुए जनसमस्याओं के समाधान को गति प्रदान की जाएगी।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने कहा है कि ग्राम टेंटरा के साथ-साथ अन्य विकासखंडों के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों में भी जनसंवाद एवं जन-विश्वास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में संबंधित विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

शासकीय महाविद्यालय जौरा में उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

एनएसएस स्वयंसेवकों को सेवा गतिविधियों एवं राष्ट्रीय स्तर के अवसरों की दी जानकारी

मुरैना, जीएनएस।
शासकीय महाविद्यालय जौरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नवप्रवेशित स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, सेवा गतिविधियों, सामाजिक दायित्वों तथा राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों को 'स्वयं से पहले आप' की भावना के साथ समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामुदायिक सेवा, श्रमदान, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण जैसी गतिविधियों के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही, केंद्र सरकार के 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीयन की प्रक्रिया तथा पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के अवसरों की जानकारी भी दी गई। स्वयंसेवकों को बताया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दो वर्ष की नियमित सेवा के निर्धारित 240 घंटे पूर्ण करने तथा विशेष शिविर में सहभागिता के बाद 'बी' एवं 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस परेड शिविर, राष्ट्रीय युवा उत्सव एवं राष्ट्रीय एकीकरण शिविर जैसी राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में सहभागिता का अवसर भी प्राप्त होता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शेषनारायण शुक्ला ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व एवं सेवा गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. सी.पी. विमल ने विद्यार्थियों को सामाजिक कौशल के महत्व की जानकारी दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. विनोद सिंह कुशवाहा ने नवप्रवेशित स्वयंसेवकों का स्वागत करते हुए उन्हें वर्षभर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों ने समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ एवं नवप्रवेशित स्वयंसेवक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 9 अक्टूबर को जिले में आयोजित होंगे 'फिट इंडिया खेल सत्र'

मुरैना, जीएनएस।
सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 9 अक्टूबर को जिले के विभिन्न विकासखण्डों में 'फिट इंडिया खेल सत्र' आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेने, शारीरिक रूप से सक्रिय रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुरैना श्री कमलेश कुमार भार्गव ने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों, संबंधित प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ग्रामीण युवा समन्वयकों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेल गतिविधियों का सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 अक्टूबर को पोरसा के सांदीपनि उ.मा.विद्यालय में कबड्डी, अम्बाह के शासकीय सांदीपनि विद्यालय गोठ में कबड्डी, मुरैना के शासकीय नवीन हाईस्कूल क्रमांक 1 में रस्साकसी एवं चेयररेस, जौरा के शासकीय सांदीपनि विद्यालय बिलगांव में एथलेटिक्स, कैलारस के अशासकीय लिटिल वैली इंग्लिश स्कूल में वैसवॉल, पहाड़गढ़ के शासकीय मॉडल उ.मा. विद्यालय में बास्केटवॉल और सबलगढ़ के सांदीपनि विद्यापीठ में ताईक्वांडो गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव ने खेल गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए प्रभारी अधिकारी एवं संयोजक निर्धारित किए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आयोजन स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा बच्चों एवं युवाओं को उत्साहपूर्वक खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं।

मुरैना क्रमांक-4 एकल मदिरा दुकान का ई-टेण्डर से पुनर्निष्पादन

मुरैना, जीएनएस।
आबकारी नीति के प्रावधानों एवं आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए मुरैना जिले की कम्पोजिट मदिरा एकल दुकान एमओआर/11, मुरैना क्रमांक-4 का ई-टेण्डर के माध्यम से पुनर्निष्पादन किया जाना है।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि संबंधित अनुज्ञप्तिधारी द्वारा न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि जमा नहीं किए जाने के कारण उक्त मदिरा दुकान का आरक्षित मूल्य निर्धारित किया गया है। पूर्व में 22 सितंबर 2026 को प्राप्त 7 करोड़ 83 लाख रुपये के उच्चतम ऑफर को होल्ड पर रखते हुए शेष अवधि के लिए पुनः ई-टेण्डर प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड करने एवं ऑफर प्रस्तुत करने की अवधि 8 अक्टूबर 2026 को शाम 4 बजे से 14 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। ई-टेण्डर 14 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3रू05 बजे से खोला जाएगा। पुनर्निष्पादन की अवधि 15 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक कुल 168 दिवस रहेगी।

मुरैना क्रमांक-4 मदिरा दुकान के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शेष अवधि हेतु निर्धारित आरक्षित मूल्य 11 करोड़ 23 लाख 98 हजार 432 रुपये है। ई-टेण्डर के साथ निर्धारित धरोहर राशि 2 करोड़ 50 लाख रुपये तथा ई-टेण्डर प्रपत्र का मूल्य 30 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

ई-टेण्डर प्रक्रिया में पात्र व्यक्ति, फर्म, एल.एल.पी., कंपनी अथवा कन्सोर्टियम भाग ले सकते हैं। प्रक्रिया में भाग लेने के लिए संबंधित बोलीदाता का ई-आबकारी पोर्टल के कॉन्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल में पंजीकृत होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक ई-टेण्डर प्रक्रिया, नियम, शर्तों एवं निबंधन संबंधी विस्तृत जानकारी एनआईसी के ई-टेण्डर पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। ई-टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी एवं आवश्यक विवरण कार्यालयीन समय में जिला आबकारी अधिकारी, जिला मुरैना के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

बाल साहित्य में डॉ. सत्यवान सौरभ का परचम, 'प्रज्ञान' को मिला 31 हजार रुपये का श्रेष्ठ कृति पुरस्कार

मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का श्रेष्ठ कृति सम्मान, पीएच.डी. साहित्यकार दंपती डॉ. सत्यवान सौरभ व डॉ. प्रियंका सौरभ की 27 पुस्तकें के साहित्यिक सफर में जुड़ी नई उपलब्धि; बेटे प्रज्ञान के नाम पर लिखी पुस्तक दुनिया के सभी बच्चों को समर्पित

भिवानी। साहित्यकार एवं लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ की बाल साहित्य कृति 'प्रज्ञान' को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के वर्ष 2023 के श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। अकादमी द्वारा घोषित परिणामों में 'प्रज्ञान' का चयन बाल साहित्य वर्ग में किया गया है। इस पुरस्कार के अंतर्गत चयनित कृति को 31 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी ने हिंदी, हरियाणवी, संस्कृत एवं पंजाबी सहित विभिन्न भाषाओं में प्राप्त साहित्यिक कृतियों के लिए वर्ष 2023 के परिणाम घोषित किए हैं। अकादमी की श्रेष्ठ कृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक विधाओं में श्रेष्ठ रचनाओं का चयन किया गया है। इसी क्रम में बड़वा (भिवानी) के डॉ. सत्यवान सौरभ की 'प्रज्ञान' को बाल साहित्य वर्ग में सम्मान के लिए चुना गया है।

'प्रज्ञान' डॉ. सत्यवान सौरभ की बाल साहित्य पर केंद्रित कृति है, जिसमें बच्चों के लिए साहित्यिक, संस्कारपरक एवं विचारपरक सामग्री प्रस्तुत की गई है। इस पुस्तक की विशेष बात यह है कि लेखक ने इसे अपने बेटे प्रज्ञान के जन्म के अवसर पर दुनिया के सभी बच्चों को समर्पित किया है। पुस्तक के माध्यम से बच्चों की कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता, संस्कार और रचनात्मक सोच को साहित्य से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

डॉ. सौरभ लंबे समय से लेखन, पत्रकारिता और साहित्यिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक सरोकार, समकालीन विषयों तथा बाल साहित्य के प्रति विशेष रुचि दिखाई देती है। विभिन्न विधाओं में सक्रिय उनकी साहित्यिक यात्रा में 'प्रज्ञान' बाल साहित्य के प्रति उनके रचनात्मक सरोकार को सामने लाती है।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री के अनुसार वर्ष 2023 की श्रेष्ठ कृति पुरस्कार योजना के परिणामों को अकादमी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया है। बाल साहित्य वर्ग में डॉ. सत्यवान सौरभ की 'प्रज्ञान' का चयन इसी प्रक्रिया के तहत हुआ है।

डॉ. सत्यवान सौरभ की साहित्यिक यात्रा में यह सम्मान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जुड़ा है। उनकी कृति को राज्य की साहित्यिक संस्था द्वारा बाल साहित्य की श्रेष्ठ कृतियों में स्थान मिलना बच्चों के लिए साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनके योगदान की संस्थागत मान्यता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ÷बाल साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के संस्कार, कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता और विचार-निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है।÷ बच्चों के लिए सार्थक और मूल्यपरक साहित्य का सृजन उनकी साहित्यिक प्राथमिकताओं में शामिल रहा है।

डॉ. सत्यवान सौरभ की पत्नी डॉ. प्रियंका सौरभ भी चर्चित लेखिका एवं साहित्यकार हैं। दोनों ने राजनीतिक विज्ञान में पीएच.डी. की है और साहित्य लेखन के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए संयुक्त रूप से तथा स्वतंत्र रूप से अनेक पुस्तकों का लेखन किया है। दोनों के लेखन में सामाजिक सरोकार, समकालीन विमर्श, महिला सशक्तिकरण, बाल साहित्य और सामाजिक चेतना जैसे विषय प्रमुखता से उभरते हैं। दोनों साहित्यकारों की अब तक 27 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा 'प्रज्ञान' को 31 हजार रुपये के श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के लिए चयनित किए जाने से भिवानी के साहित्यिक क्षेत्र में भी प्रसन्नता का माहौल है। साहित्य जगत से जुड़े लोगों ने डॉ. सत्यवान सौरभ को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे भिवानी के साहित्यिक परिदृश्य के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

अध्यक्ष राजेन्द्र सेठ को पत्र लिखकर क्लब चेयरमैन के चयन, स्वतंत्रता दिवस पर अव्यवस्थाओं और खर्चों का मांगा हिसाब

जीवाजी क्लब को राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनाने पर साहनी ने जताई आपत्ति

ग्वालियर जीएनएस

जीवाजी क्लब में कथित तौर पर राजनीतिक गतिविधियों और अन्य अवांछनीय गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने पर क्लब के वरिष्ठतम आजीवन सदस्य दुष्यंत साहनी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने क्लब अध्यक्ष राजेन्द्र सेठ को पत्र लिखकर कई सवाल उठाए हैं। साथ ही वर्तमान क्लब चेयरमैन राजाबाबू सिंह के चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए हैं।

साहनी ने पत्र में पूछा है कि जब राजाबाबू सिंह की पदस्थापना ग्वालियर जिले से बाहर है, तो उनका चयन किस प्रक्रिया के तहत किया गया। क्या चयन प्रक्रिया में भाग लेने या उससे संबंधित जानकारी प्राप्त करने का अवसर सदस्यों को दिया गया था? उन्होंने इस संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर भी सवाल उठाए हैं।

साहनी ने 15 अगस्त को आयोजित लंच के दौरान अव्यवस्थाओं का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दिन अधिक भीड़ बुलाए जाने और पर्याप्त भोजन की व्यवस्था नहीं होने से खाना लूटे जाने जैसी स्थिति बनी। उन्होंने क्लब के संचालन और आयोजनों की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि जीवाजी क्लब किसी एक पदाधिकारी या कार्यकारिणी समिति की निजी संपत्ति नहीं है, जिसका उपयोग व्यक्तिगत हित साधने के लिए किया जाए। क्लब की प्रतिष्ठा और गरिमा बनाए रखना सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है।

साहनी ने पत्र में यह भी कहा कि किसी सार्वजनिक विवाद, राजनीतिक संबद्धता, प्रशासनिक विफलता या कुप्रबंधन के कारण क्लब की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है, तो इसका असर क्लब से जुड़े प्रत्येक सदस्य की प्रतिष्ठा पर पड़ता है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि ऐसी गतिविधियां जारी रहीं, तो क्लब की पहचान किसी विशेष राजनीतिक दल या समूह से जुड़े स्थान के रूप में बनने लगेगी।

इसके साथ ही साहनी ने क्लब में हुए खर्चों का ब्योरा भी अध्यक्ष राजेन्द्र सेठ से मांगा है। उनके पत्र में क्लब की कार्यप्रणाली, पदाधिकारियों के चयन में पारदर्शिता, आयोजनों के प्रबंधन और वित्तीय जवाबदेही से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं।

जेयू में गूंजी हनुमान गाथा

विविधता और सामाजिक समरसता से बढ़ती है राष्ट्र की ताकत : नरेंद्र सिंह तोमर

ग्वालियर जीएनएस

विविधता, एकता और सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। शिक्षा व्यक्ति को योग्य बनाती है, जबकि संस्कार उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। ज्ञान के साथ संवेदना जुड़ने पर विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। यह बात विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में 'शिक्षा, संस्कार और समरसता- राष्ट्र की शक्ति' विषय पर आयोजित व्याख्यान एवं श्री हनुमान गाथा कार्यक्रम में कही।

तोमर ने कहा कि जीवन की सार्थकता आध्यात्म के बिना संभव नहीं है। धार्मिक यात्राएं, लीलाएं और महापुरुषों के चरित्र हमें सद्मार्ग पर चलने तथा धर्म का पालन करने की प्रेरणा देते हैं। हनुमानजी के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके गुणों को अपनाने से जीवन सार्थक बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध सुंदरकांड वक्ता पं. अंकित शर्मा ने संगीतमय हनुमान गाथा प्रस्तुत की। 'मेरा भोला है भंडारी' और 'भारत का बच्चा-बच्चा जय जय श्रीराम बोलेगा' जैसे भजनों पर श्रोता झूम उठे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े लोगों का समाज के प्रति दायित्व अधिक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजकुमार आचार्य ने सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने और प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने की आवश्यकता बताई।

देश में अमन-ओ-अमान, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए मांगी दुआ

ख्वाजा खानून साहब का 508वां उर्स शुरू

ग्वालियर जीएनएस

प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा खानून साहब का 508वां सालाना आठ दिवसीय उर्स मेला गुरुवार को दरगाह पर परंपरागत रूप से चिरागे चिश्तिया रोशन कर शुरू हुआ। इस अवसर पर देश-प्रदेश की तरक्की, सुख-समृद्धि, समाज में आपसी भाईचारे और मुल्क में अमन-ओ-अमान कायम रहने की विशेष दुआ की गई।

उर्स मेले की पहली चादर दरगाह प्रबंध समिति, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से पेश की। इसके बाद मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, जीडीए उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता,

पूर्व विधायक सहित सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी, डॉ. ऐजाज खानूनी और उर्स संयोजक रामबाबू कटारे ने दीप प्रज्वलित कर उर्स मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी ने विशेष दुआ कर देश में शांति, सद्भाव और खुशहाली की कामना की। दरगाह के नायब सज्जादानशीन डॉ. ऐजाज खानूनी ने अतिथियों की दस्तारबंदी कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन उर्स संयोजक रामबाबू कटारे ने किया।

समारोह में जियाउलहसन, सज्जादानशीन हजरत गंज मोहम्मद गौस, हाफिज इमाम इस्माइल खां, खालिद अली शाह, मुआज खानूनी, बसंत खेमरिया, हाफिज इस्माइल खां साहब, रफीक खान नेताजी, नवाब भाई, शाहरुख खान और एडवोकेट शुभम भदौरिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उर्स के आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने देश में अमन-चैन, आपसी सौहार्द और समाज की खुशहाली की कामना की।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 19 प्रकरण दर्ज

ग्वालियर जीएनएस

अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग ने गुरुवार को ग्वालियर, डबरा और भितरवार क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की। टीम ने विभिन्न स्थानों से 55.42 बल्क लीटर मदिरा बरामद की, जबकि 2900 किलोग्राम गुड़ लाहन नष्ट किया। जब्त मदिरा और नष्ट किए गए गुड़ लाहन का अनुमानित मूल्य 3 लाख 15 हजार रुपये बताया गया है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 19 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश और आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान हजीरा, तानसेन नगर, मामा का बाजार, सेवानगर, गुलमोहर सिटी, लाला का बाजार और पीतांबरा ढाबा सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। इसके अलावा ग्राम सोसा, गुसगंवा और रणगवां में भी कार्रवाई की गई। यहां से देशी शराब के 133 पाव और बीयर की आठ बोतलें बरामद हुईं। डबरा क्षेत्र के दुबहा-दुबही और चटकना में 2600 किलोग्राम गुड़ लाहन तथा 16.02 बल्क लीटर देशी शराब जब्त की गई। भितरवार क्षेत्र में 300 किलोग्राम गुड़ लाहन और 10.26 बल्क लीटर देशी शराब मिली। गुड़ लाहन के नमूने लेने के बाद शेष सामग्री नष्ट कर दी गई। कार्रवाई सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में आबकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने की। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, संग्रहण और परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

फूलबाग पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला दहन कर जताया विरोध, गांधी प्रतिमा पर हुआ समापन

मतदाता अधिकारों की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन ने निकाला पैदल मार्च

ग्वालियर जीएनएस

लोकतंत्र, संविधान और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने गुरुवार को ग्वालियर में संयुक्त पैदल मार्च निकाला। अचलेश्वर मंदिर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स भवन से शुरू हुआ मार्च इंदरगंज चौराहा, नदी गेट और शिंदे की छावनी होते हुए फूलबाग पहुंचा। यहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले का दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। इसके बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर मार्च का समापन हुआ।

मार्च में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और समाजवादी पार्टी के नेता, पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता शामिल हुए। आयोजन में गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के जिलाध्यक्ष, सचिव, विधायक, पार्षद और प्रदेश पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है और उसका सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मतदान है। चुनाव प्रक्रिया में

पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्वाचन संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों पर इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त पैदल मार्च किसी एक राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर गठबंधन की सामूहिक आवाज है। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों पर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना राजनीतिक दलों और नागरिकों का अधिकार है। पैदल मार्च का नेतृत्व कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, सुनील शर्मा, सीपीआई के राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट और कॉमरेड संजीव राजपूत, कॉमरेड अशोक पाठक, सीपीआई (एम) के कॉमरेड रामविलास गोस्वामी, कॉमरेड अखिलेश यादव और जिला सचिव कॉमरेड एमके जायसवाल, सीपीआई (एमएल) के जिला सचिव कॉमरेड विनोद रावत तथा समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रामवीर सिंह गुर्जर ने किया। इस दौरान अनवर खान, प्रकाश वर्मा, रविंद्र सरवटे एडवोकेट, विनोद वर्मा, जालिम सिंह, मनोज बाथम, आनंद ठाकुर, बारेलाल पाल, बिरखाराम, प्रीतम माहौर, भूपेश पलरिया, दुर्गा देवी मौर्य, मयंक रावत, दशरथ सिंह गुर्जर, राजेन्द्र सिंह नाती, इब्राहिम पठान, हेवरन सिंह कंसाना, ज्योति सिंह, प्रभुदयाल जौहर, राहुल शर्मा, डॉ. राम पांडे, विनोद कराना, बीपी गणक, अंकित रावत, राम विजय यादव, अशोक यादव और राम यादव सहित गठबंधन के विभिन्न दलों के नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।